राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,09फरवरी–2023 वर्ष–6,अंक–17 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मनरेगा के तहत कार्यों के लिए लगवाई जाएगी डिजिटल हाजिरी

नई दिल्ली। केंद्र ने निर्णय लिया है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली (एनएमएमएस) ऐप के माध्यम से राज्य/केंद्रशासित प्रदेश सभी कार्यों (व्यक्तिगत लाभार्थी योजना / परियोजना को छोड़कर) के लिए उपस्थिति (हाजिरी) दर्ज करना सुनिश्चित करेंगे।

1 जनवरी, 2023 से सभी कार्यस्थलों के लिए डिजिटल रूप से उपस्थिति दर्ज करना लागू है। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री, साध्वी निरंजन ज्योति द्वारा मंगलवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी गई जानकारी के अनुसार, मंत्रालय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अनुरोध किए जाने पर एनएमएमएस ऐप में सुचारू परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। जिन तकनीकी मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें वास्तविक समय के आधार पर एनआईसी, ग्रामीण विकास के साथ उठाया जाता है। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अनुरोधित नए प्रावधानों/सुझावों को शामिल किया जा रहा है। एनएमएमएस एप्लिकेशन से संबंधित सभी मुद्दों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और उनका समाधान किया जाता है। एनएमएमएस एप्लिकेशन को उपस्थिति और पहली तस्वीर अपलोड करने के चार घंटे बाद दूसरी तस्वीर लेने के लिए संशोधित किया गया है। इसने उपस्थिति और तस्वीरों को कैप्चर करने के लिए विशिष्ट समय बिंदु की आवश्यकता को कम कर दिया है। पहली तस्वीर के साथ सुबह की उपस्थिति को ऑफलाइन मोड में कैप्चर किया जा सकता है और डिवाइस के नेटवर्क में आने के बाद इसे अपलोड किया जा सकता है। असाधारण परिस्थितियों के कारण उपस्थिति अपलोड नहीं की जा सकती है, जिला कार्यक्रम समन्वयक को मैन्युअल उपस्थिति अपलोड करने के लिए अधिकृत किया गया है। जवाब में कहा गया कि सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पात्र कार्यस्थलों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए एनएमएमएस ऐप का इस्तेमाल कर रहे हैं। अब तक स्मार्टफोन की अनुपलब्धता के कारण एनएमएमएस ऐप के उपयोग न करने से संबंधित कोई विशेष मामला मंत्रालय के संज्ञान में नहीं आया है।

केरल मॉडल से गहलोत का चलेगा जादू? चुनाव से पहले दे सकते हैं 'राशन और पेंशन' जैसे तोहफे

साल के अंत में एक बार फिर यहां विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं और जादूगर कहे जाने वाले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पूरी कोशिश होगी कि एक फिर उनका जादू चल जाए। इसके लिए बजट में खास ऐलान कर सकते हैं।

जयपुर। एक बार कांग्रेस और एक बार भाजपा... राजस्थान में लंबे समय से हर 5 साल बाद सत्ता परिवर्तन का रिवाज रहा है। इस साल के अंत में एक बार फिर यहां विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं और जादूगर कहे जाने वाले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पूरी कोशिश होगी कि एक फिर उनका जादू चल जाए। लगातार दूसरी बार सत्ता पाने के लिए गहलोत 10 फरवरी को पेश होने जा रहे बजट में कुछ खास ऐलान कर सकते हैं। खुद अशोक गहलोत ने संकेत दिए हैं कि वह केरल मॉडल% पर सामाजिक सुरक्षा वाली योजनाओं का ऐलान कर सकते हैं। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए गहलोत ने पिछ्ले सप्ताह कहा कि केरल में सीपीएम की सरकार अच्छे कोविड प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की वजह से बनी। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी बेहतर कोविड प्रबंधन की वजह से सरकार दोबारा बनेगी। केरल में वामदल की सरकार ने कोरोना के दौरान हर परिवार के लिए राशन किट योजना की शुरुआत की थी। राज्य में यह योजना बेहद

लोकप्रिय हुई, खासकर महिलाओं को इस योजना ने बहुत प्रभावित किया। पीडीएस दुकानों के जरिए हर महीने हर परिवार को दैनिक उपभोग की सामग्री जैसे आटा, चावल, तेल, दाल और मसाले बांटे गए। संकट के समय में लोगों को इससे काफी राहत मिली। कहा जाता है कि लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) सरकार को दोबारा सत्ता मिलने में इस योजना की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जबकि यहां भी हर पांच साल में सरकार बदलने का चल रहा है।

बताया जा रहा है कि गहलोत सरकार भी इस तरह की योजना का ऐलान कर सकती है, जिसके गेमचेंजर होने की उम्मीद की जा रही है। अलवर में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान गहलोत ने कहा था कि वह महंगाई और बेरोजगारी से लोगों की बढ़ीं मुश्किलों को कम करने के लिए कुछ तरीके निकालेंगे। मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा कानूनों की वकालत करते रहे हैं। बताया जा रहा है कि सरकार मौजूदा पेंशन योजना में राशि बढ़ाने के साथ किसानों के लिए वृद्धा पेंशन का ऐलान भी कर सकती है। चुनाव से पहले आखिरी बजट को गहलोत सरकार खूब प्रचारित करने की तैयारी में जुट गई है। 10 फरवरी को आ रहे बजट को बचत, राहत और बादत टैग से प्रचारित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पहले ही कह चुके हैं कि उनका यह बजट युवाओं और विद्यार्थियों के लिए होगा। चुनाव से पहले आखिरी बजट में गहलोत हर वर्ग को खुश करने की कोशिश कर सकते हैं। विशेष ध्यान महिलाओं, किसानों और युवाओं पर हो सकता है। मुख्यमंत्री के लिए जनता को लुभाने के लिए यह आखिरी मौका होगा। 2018 से ही उन्हें पार्टी नेता सचिन पायलट से मिल रही चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

लगातार दूसरी बार सत्ता पाने के लिए गहलोत 10 फरवरी को पेश होने जा रहे बजट में कुछ खास ऐलान कर सकते हैं। खुद अशोक गहलोत ने संकेत दिए हैं कि वह केरल मॉडल पर सामाजिक सुरक्षा वाली योजनाओं का ऐलान कर सकते हैं। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए गहलोत ने पिछले सप्ताह कहा कि केरल में सीपीएम की सरकार अच्छे कोविड प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की वजह से बनी।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर कार में फंसा शव 11 किमी घसीटा, दो हिस्सों में बंटा शरीर

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर कार ने युवक के शव को करीब 11 किलोमीटर तक घसीटा। जब कार टोल प्लाजा पर रुकी, तब सिक्योरिटी गार्ड की नजर कार के नीचे फंसे शव पर पड़ी। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को कार के नीचे से निकाला। शव दो हिस्सों में बंट गया था। गाड़ी में जगह-जगह टुकड़े चिपके थे। मथुरा के एसपी देहात त्रिगुन विशेन ने बताया कि जिस कार में शव फंसा था वह आगरा से दिल्ली जा रही थी। दिल्ली निवासी वीरेंद्र सिंह स्विफ्ट कार चला रहे थे। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। उन्होंने बताया है कि रात को एक्सप्रेस- वे पर कोहरा था। किसी वाहन से ये हादसा हुआ होगा, जिसका शव एक्सप्रेस-वे पर पड़ा रहा होगा। कोहरे में शव दिखाई नहीं दिया। ऐसे में कार में फंसकर घिसटता चला आया होगा। कार में शव इतनी दूर तक घिसटा गया कि शरीर के दो टुकड़े हो गए। मृतक की जेब से टूटा की-पैड मोबाइल और करीब 500 रुपए मिले हैं। शव इस कदर बिगड़ गया था कि चेहरा पहचान में नहीं आ रहा था। पुलिस एक्सप्रेस-वे पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। मृतक की शिनाख्त इटावा निवासी रिजपाल सिंह रूप में हुई है। जिसकी उम्र 25 साल है। जो दिल्ली में कोरियर कंपनी में गाड़ी चलाता था। एसपी ने बताया कि एक्सप्रेस-वे पर मांट क्षेत्र में माइल स्टोन-106 पर खून के निशान मिले हैं। आशंका है कि वहां हादसा हुआ था। शव टोल प्लाजा तक घिसटता आया। माइल स्टोन-106 से टोल प्लाजा की दूरी करीब 11 किमी है। टक्कर कार से हुई या किसी

और वाहन से इसकी जांच की जा रही है। कार स्विफ्ट डिजायर है। मंगलवार तड़के 4 बजे मांट टोल प्लाजा पर पहुंची। कार में 2 महिला और 2 पुरुष सवार थे। वे लोग दिल्ली के तिगड़ी थाना क्षेत्र के संगम विहार के रहने वाले हैं। परिवार के साथ आगरा में शादी कार्यक्रम से लौट रहे थे। टोल कटाने के लिए जब गाड़ी रुकी तो वहां मौजूद गार्ड ने गाड़ी के पीछे से सड़क पर बहते खून के निशान दिखे। फिर गाड़ी के पीछे जाकर देखा तो एक युवक का शव फंसा था। कार ड्राइवर वीरेंद्र ने पुलिस को बताया कि उसे घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उसकी कार से कोई हादसा भी नहीं हुआ। उसे टोल प्लाजा पर लोगों ने बताया कि गाड़ी में शव फंसा है। यमुना एक्सप्रेस-वे पर कोहरा था। दूसरे वाहन से हादसा हुआ होगा।

झुलसे मरीज इलाज के अभाव में नहीं होंगे दिव्यांग, स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिल्ली एम्स को सौंपी कमान

दिल्ली। आग या तेजाब पीड़ित को समय पर इलाज दिलाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने का फैसला लिया है। इसके लिए नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स को जिम्मेदारी दी गई है। राज्य सरकारों की तरफ से भेजे गए डॉक्टरों व नर्सों को एम्स में प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला अस्पतालों तक में जले के शिकार पीड़ितों को प्राथमिक उपचार मिल सके। देश के अधिकांश सरकारी अस्पतालों में इस तरह की विशेषज्ञता नहीं होने के कारण अक्सर मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता है, जिसके चलते रोगी दिव्यांगता का शिकार होता है या फिर उसकी मौत का जोखिम भी बढ़ जाता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिला से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी आग या तेजाब पीड़ितों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राज्य सरकारों से सूची मिलने के बाद इन कर्मचारियों की जानकारी एम्स के साथ साझा की जा रही है।

70 लाख लोग भारत में हर साल जलने से होते हैं घायल।

2019 में आग से 23,000 की मौत

द लैसेंट पब्लिक हेल्थ मेडिकल जर्नल के मुताबिक साल 2019 में देश में 23 हजार से अधिक लोगों की मौत आग में झुलसने की वजह से हुई हैं जो वैश्विक मृत्यु दर का लगभग 20 प्रतिशत है। एम्स के ही डॉक्टरों का कहना है कि इन घटनाओं में पीड़ितों के आगे काफी चुनौतियां रहती हैं।

ये लोग आर्थिक रूप से परेशान होते ही हैं। साथ ही व्यावसायिक रूप से अक्षम और सामाजिक रूप से बाहर भी रखे जाते हैं। एम्स के डॉक्टरों ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उनके यहां अलग अलग राज्यों से डॉक्टर व नर्स आ रहे हैं जिन्हें सबसे पहले वे थ्रीडी मॉडल के सहारे आग पीड़ितों की मरहम पट्टी करना सिखा रहे हैं।

1.4 लाख लोगों की मौत, हर साल देश में जलने से होती है

अब तक करीब दो बैच यहां प्रशिक्षण ले चुके हैं। तीसरा बैच आठ फरवरी से प्रशिक्षण लेने जा रहा है। मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं, भारत में हर साल करीब 70 लाख लोग जलने से घायल होते हैं जिनमें से 1.4 लाख लोगों की मौत हो जाती है। साथ ही 2.4 लाख लोग दिव्यांगता के शिकार हो रहे हैं। इसके पीछे मुख्य वजह समय पर प्राथमिक उपचार न मिलना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल लगभग 2,65,000 मौतें अकेले आग से होती हैं। इनमें से अधिकांश मौतें दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के देशों में होती है जिनमें भारत का स्थान प्रमुख है।

नौ फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी आएंगे अखिलेश

● सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ एवं महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव नौ फरवरी को 11 बजे वाराणसी एयरपोर्ट आएंगे। यहां से हेलीकाप्टर से बलिया व गाजीपुर कार्यक्रम में जाएंगे।

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष विधान सभा अखिलेश यादव नौ फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी आएंगे। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ एवं महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव नौ फरवरी को 11 बजे वाराणसी एयरपोर्ट आएंगे। यहां से हेलीकाप्टर से बलिया व गाजीपुर कार्यक्रम में जाएंगे। शाम 4 बजे गाजीपुर से हेलीकॉप्टर से वाराणसी एयरपोर्ट पहुचेंगे। वाराणसी में नौ फरवरी को रात्रि विश्राम करेंगे। 10 को सारनाथ में पूर्व एमएलसी काशीनाथ यादव एवं शशिकांत सिंह के आवास पर जाएंगे। विगत दिनो प्रदीप बजाज का निधन होने के कारण उनके आवास शोक संवेदना व्यक्त करने जाएंगे। अखिलेश यादव दोपहर 2:30 बजे चार्टर प्लेन से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। उनके आगमन की तैयारी में कार्यकर्ता और पदाधिकारी जुटे हुए हैं।

दिल्ली में भी हो सकती है तुर्की जैसी तबाही, 90 प्रतिशत मकान असुरक्षित

नई दिल्ली। तुर्की और सीरिया भूकंप से दहल गया है। भारत में भी चार जोन ऐसे हैं जहां भूकंप से भारी क्षति संभव है, इसमें दिल्ली- एनसीआर भी शामिल है। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) ने देश को चार सिस्मिक जोन में बांटा है। इस अनुसार दिल्ली में यमुना किनारे और बाढ़ वाले क्षेत्रों के साथ पूर्वी दिल्ली के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भूकंप से सर्वाधिक क्षति संभव है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार भूकंप के तेज झटकों के कारण दिल्ली- एनसीआर समेत चार जोन को बड़ी क्षति हो सकती है जिसमें देश के कई हिस्से शामिल हैं। दिल्ली तीन सिस्मिक फॉल्ट लाइन सोहना फॉल्ट लाइन, मथुरा फॉल्ट लइन और दिल्ली मथुरा फॉल्ट लाइन पर टिकी है। वहीं गुरुग्राम सात फॉल्ट

! नहीं झेल पाएंगे 8 की तीव्रता वाला भूकंप

लाइन पर टिका है। फॉल्ट लाइन दो चट्टानों के बीच के अंतर को कहा जाता है। इनमें जब भी बदलाव या अंतर आता है तो भूकंप महूसस होता है। अंतर जितना अधिक होगा भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर उतनी ही तेज होगी।

लुटियन्स क्षेत्र पर भी खतरा

भूकंप से लुटियन्स क्षेत्र पर भी खतरा है जहां बड़े- बड़े राजनेता रहते हैं। इसके अलावा दिल्ली यूनिवर्सिटी का नॉर्थ कैंपस, करोलबाग, जनकपुरी, पश्चिम विहार और रोहिणी, दिल्ली एयरपोर्ट और हौजखास क्षेत्र भूकंप से खतरे की श्रेणी में दसूरे नंबर पर आता है।

दिल्ली में सर्वाधिक भूकंपमापी

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार जनवरी 2024 तक देशभर में कुल 115 भूकंपमापी लगे हैं। इसमें से सबसे अधिक 16 भूकंपमापी दिल्ली में लगे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि भूकंप के छोटे झटकों का पता तो लग सकता है लेकिन बड़े झटकों का पता लगाना मुश्किल होगा।

दिल्ली की सड़कों से हटाए जाएंगे 54 लाख वाहन

पकड़ते ही चालान के साथ जब्त

नई दिल्ली। मियाद पूरी कर चुके वाहनों को राजधानी की सड़कों से हटाने के लिए दिल्ली परिवहन विभाग ने एमसीडी व यातायात पुलिस के साथ मिलकर जब्त करने का अभियान शुरू कर दिया है। बीते तीन दिन में करीब 150 वाहनों को जब्त करके स्क्रैप करने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अधिकारियों कि मानें तो दिल्ली में होने वाली जी20 बैठक से पहले सरकार सड़कों पर खड़े पुराने वाहनों को हटाना चाहती है। इन वाहनों को हटाने के लिए बीती 2 फरवरी को परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा ने एक बैठक भी की है। बताते चले कि दिल्ली में 10 साल पुराने डीजल वाहन और 15 साल पुराने पेट्रोल/सीएनजी वाहनों को सड़क पर चलने की मंजूरी नहीं है। दिल्ली के अलावा एनसीआर से सटे क्षेत्रों में भी वाहनों पर यही नियम लागू होता है। दिल्ली में जनवरी तक कुल 54 लाख से अधिक वाहन ऐसे है जो अपनी मियाद पूरी कर चुके हैं। इसमें सबसे अधिक संख्या दुपहिया वाहनों की है। परिवहन विभाग ने इन वाहनों का डाटा तैयार कर लिया है। प्रवर्तन टीम बीते शनिवार से कार्रवाई शुरू कर चुकी है। दिल्ली की 60 मीटर से कम चौड़ी सड़क पर कोई ऐसा वाहन मिलता है तो उस पर यातायात पुलिस और एमसीडी कार्रवाई

करेगी।

पूराने नियम लागू

- 1.19 करोड़ वाहन दिल्ली में पंजीकृत हैं
- 54,39,394 वाहन अपनी मियाद पूरी कर चुके हैं
- 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगाई गई है पाबंदी
- 10 साल पुराने डीजल वाहनों पर भी पाबंदी लगाई गई है

कब होगी कार्रवाई

- सार्वजनिक स्थान पर खड़ा मिलने पर उसे जब्त किया जाएगा।
- पुराना वाहन सड़क पर चलते हुए पकड़ा गया तो चालान के साथ उसे जब्त भी करेंगे।
- 60 मीटर से कम चौड़ी सड़क पर खड़ पूराना वाहन मिलता है तो उसे जब्त किया जाएगा।

ऐसे बच सकते हैं

- अगर आपने अपना वाहन किसी निजी पार्किंग (हाउसिंग सोसाइट या घर के अंदर) में खड़ा किया है तो कार्रवाइ नहीं होगी।
- दूसरे राज्य में वाहन ले जाने के लिए अगर आपने एनओसी ली है तो उसके आधार पर एक निश्चित समय तक बच सकते हैं।

स्क्रैप को लेकर नियम

वाहनों के स्क्रैप को लेकर नीतिगत बदलाव ने परिवहन विभाग की मुश्किल बढ़ा दी है। दरअसल नए बदलावों के बाद कोई वाहन तभी स्क्रैप होगा, जब वाहन मालिक के आधार पर पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी जाएगा। उसे वह स्क्रैप करने वाली कंपनी को बताना होगा। अगर किसी कारणवश वह ओटीपी नहीं आता है तो वह स्क्रैप नहीं होगा। यही नहीं वाहन के आरसी पर एचपी (वाहन पर लोन होने पर वह दर्ज होता है।) दर्ज नहीं होना चाहिए। अगर यह दर्ज है तो वह वाहन भी स्क्रैप नहीं होगा। वाहन के मालिक की उपस्थिति भी अनिवार्य है। यही वजह है कि वर्तमान में जो भी उम्र पूरे कर चुके वाहन जब्त किए जा रहे हैं वह सीधे स्क्रैप के लिए नहीं भेजे जा रहे हैं।

54.39 लाख वाहनों का डाटा तैयार किया

- दिल्ली परिवहन विभाग ने दो फरवरी 2023 तक कुल 54.39 लाख वाहनों का डाटा तैयार किया
- अभियान चालकर जब्त करने की कार्रवाई शुरू
- बीते तीन दिनों में करीब 150 वाहनों को जब्त किया गया
- सार्वजनिक स्थान पर खड़े होने या फिर चलते हुए मिला तो तुरंत किया जाएगा जब्त
- परिवहन विभाग ई-नोटिस भी भेजकर वाहनों को स्क्रैप कराने के लिए कह रहा है। यह कार्रवाई सिर्फ सार्वजनिक स्थानों पर मिलने पर ही की जाएगी

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तुर्किए-भूकंप पर भारत की पहल

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

तुर्किए और सीरिया में आए भूकंप ने सारी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। ऐसे भूकंपों ने ईरान, अफगानिस्तान और नेपाल जैसे पड़ौसी देशों में भी कई बार हड़कंप मचाया है लेकिन वर्तमान भूकंप में लगभग 10 हजार लोग मारे गए हैं और लाखों लोग घायल हो गए हैं। बेघरबार हुए लोगों की संख्या तो और भी बड़ी है। आशा करें कि अभी कोई और झटका न आ जाए। इस वक्त दुनिया के कई देश तुर्किए की मदद के लिए आगे आ रहे हैं लेकिन भारत ने इस मामले में जितनी फुर्ती और दरियादिली दिखाई है, उसने उसे दुनिया के महान राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा कर दिया है। तुर्किए और भारत के रिश्ते पिछले कुछ वर्षों में बहुत अच्छे नहीं रहे। तुर्किए ने भारत सरकार के उन कदमों का कड़ा विरोध किया था, जो उसने कश्मीर के बारे में उठाए थे। उसने कश्मीर के सवाल पर अन्य मुस्लिम राष्ट्रों को भड़काने का भी प्रयत्न किया था जबकि सउदी अरब जैसे राष्ट्रों ने इस मुद्दे को भारत का आंतरिक मामला बताया था लेकिन भारत सरकार ने इस वक्त तुर्किए के मजहबी जूनून को दरकिनार करके इंसानियत के दरवाजे खोल दिए हैं। चार-चार चार्टर जहाजों से उसने लगभग 100 डॉक्टरों और नर्सों को अंकारा और इस्तांबूल भेज दिया है। उसने ऐसे बचावकर्मियों को भी बड़ी संख्या में वहां भेजा है, जो मलवे में दबे लोगों की जान बचाने की कोशिश करेंगे। ऐसी ही मदद हमारी सरकारों ने 2011 में जापान और 2015 में नेपाल में जब भूकंप आया था, तब तुरंत मदद भिजवाई थी। तुर्किए के राष्ट्रपति रिसेप तय्यब एर्दोगन ने दिल्ली में हुए दंगों पर एकतरफा भर्त्सना करने का दुस्साहस दिखाया था लेकिन हमारी सरकार ने तुर्किए की मदद करते समय हिंदू-मुसलमान का कोई भेद नहीं किया। इससे मोदी सरकार की छवि भारत के अल्पसंख्यकों में भी सुधरेगी। भारत और तुर्किए के प्रतिनिधियों की संयुक्तराष्ट्र संघ में टक्कर होती रही है लेकिन पिछले साल सितंबर में समरकंद में हुए शांघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में जब मोदी और एर्दोगन की भेंट हुई तो आपसी संबंधों में काफी नरमी पैदा हो गई। मैं इसीलिए बराबर तर्क देता रहता हूं कि यदि इस वक्त हम पाकिस्तान की संकटग्रस्त जनता की मदद के लिए हाथ बढ़ा दें तो दोनों देशों के संबंधों में अपूर्व सुधार हो सकता है। दिल्ली स्थित तुर्किए के राजदूत फिरत सुनेल ने भारतीय मदद के बारे में क्या खूब कहा है कि ''दोस्त वही होता है, जो आड़े वक्त काम आता है।'' तुर्किए को अगर जरूरत हो तो भारत अपनी मदद बढ़ा सकता है। अन्य संपन्न देशों को भी उसकी मदद के लिए वह प्रेरित कर सकता है। उसकी यह पहल दुनिया के सभी मुस्लिम राष्ट्रों में भारत के प्रति आदर की भावना को जगाएगी। तुर्किए में आए इस भयंकर भूकंप से भारत को भी सबक लेना होगा, क्योंकि भारत में छोटे-मोटे भूकंप आते ही रहते हैं।

भाजपा को भारी पड़ेगी महिला नेताओं की नाराजगी

भारतीय जनता पार्टी के नेता अभी से अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट चुके हैं। अगले लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भी ही पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर किसी नए नेता को लाने की बजाय जेपी नड्डा को ही रखने का फैसला किया है। भाजपा का मानना है कि नड्डा की पूरी टीम का सेटअप बना हुआ है। ऐसे में नए सिरे से संगठन बनाने में काफी समय निकल जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशभर में अपने दौरे करने शुरू कर दिए हैं। भाजपा के नेता पूरी तरह चुनावी मूड में नजर आने लगे हैं।

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को अगले लोकसभा चुनाव तक अध्यक्ष पद का कार्य विस्तार मिल चुका है। अगले लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए नड्डा ने अपने संगठन को पुनर्गठित और चुस्त-दुरुस्त करना शुरू कर दिया है। लोकसभा चुनाव से पूर्व जम्मू कश्मीर सहित दस प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव होने हैं। जिनके नतीजों से पता चल जाएगा कि अगले लोकसभा चुनाव में कौन सी पार्टी केंद्र में सरकार बना सकेगी। चुनावों वाले दस राज्यों से लोकसभा की कुल 121 सीट आती है। ऐसे में ऐसे में जिस पार्टी की भी सरकार इन प्रदेशों में बनेगी स्वाभाविक ही है कि लोकसभा चुनाव में भी उसी पार्टी का अधिक प्रभाव दिखेगा। हालांकि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद अपने गृह प्रदेश हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार को नहीं बचा सके और वहां पर कांग्रेस भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने में कामयाब हो गई। इससे लगता है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नड्डा शायद ही कुछ करिश्मा दिखा पाए। पूरा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इर्द-गिर्द ही रहता लग रहा है। भारतीय जनता पार्टी के नेता अभी से अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट चुके हैं। अगले लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भी ही पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर किसी नए नेता को लाने की बजाय जेपी नड्डा को ही रखने का फैसला किया है। भाजपा का मानना है कि नड्डा की पूरी टीम का सेटअप बना हुआ है। ऐसे में नए सिरे से संगठन बनाने में काफी समय निकल जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशभर में अपने दौरे करने शुरू कर दिए हैं। भाजपा के नेता पूरी तरह चुनावी मूड में नजर आने लगे हैं। पार्टी तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने का सपना देख रही है। ऐसे में भाजपा की ही कुछ बड़ी महिला नेताओं की नाराजगी आने वाले चुनाव में भाजपा को भारी पड़ सकती है। राजस्थान की दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी वसुंधरा राजे सिंधिया पिछले लंबे समय से राजस्थान में खुद को नेता घोषित करने की मांग करती आ रही है। वसुंधरा राजे चाहती है कि दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी उन्हें नेता प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़े। मगर भाजपा आलाकमान ऐसा करने के मूड में नहीं लगता है। वर्तमान में वसुंधरा राजे भाजपा की राजनीति में हाशिए पर है। कहने को तो उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। मगर सक्रिय राजनीति में उनकी कोई भूमिका नजर नहीं आ रही है। राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का कद बहुत बड़ा माना जाता है। विशेषकर भाजपा में तो वसुंधरा राजे के कद का कोई दूसरा नेता नहीं है। वही राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश में लगातार दूसरी बार कांग्रेस की सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। राज्य कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लागू करने के आदेश देकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कर्मचारी वर्ग में खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। माना जा रहा है कि गहलोत द्वारा पेश किए जाने वाला राजस्थान का अगला बजट भी काफी लोक लुभावना होगा। ऐसे में गहलोत का मुकाबला करने में वसुंधरा राजे ही सबसे उपयुक्त नेता है। राजस्थान भाजपा का संगठन पूरी तरह वसुंधरा विरोधी नेताओं से भरा पड़ा है। वर्तमान परिस्थितियों में तो वसुंधरा समर्थक कई मौजूदा विधायकों को भी टिकट मिलना संदिग्ध नजर आ रहा है। अंदर खाने चर्चा है कि वसुंधरा समर्थक अपने नेता पर अलग दल बनाकर चुनाव में उतरने का दबाव डाल रहे हैं। हालांकि वसुंधरा राजे देखो और इंतजार करो की नीति पर चल कर आलाकमान का मूड भांपने का प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती शिवराज सिंह चौहान सरकार पर लगातार हमलावर हो रही है। शराबबंदी के बहाने उमा भारती लगातार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को घेर रही है। राजनीति में खुद को हाशिए पर डाले जाने से नाराज उमा भारती भाजपा आलाकमान से बहुत नाराज है। उमा भारती का मानना है कि उन्होंने ही मेहनत कर दस साल से मध्यप्रदेश में शासन कर रही कांग्रेस की दिग्विजय सिंह सरकार को उखाड़ फेंका था। जिसके बाद उनको मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री तो बनाया गया था। मगर एक अदालती फैसले के कारण उनको पद छोड़ना पड़ा था। बाद में उन्हें मुख्यमंत्री बनने का फिर से मौका नहीं दिया गया। शिवराज सिंह चौहान एक बार मुख्य बनने मंत्री बनने के बाद कुर्सी से ऐसे चिपके कि लगातार चौथा कार्यकाल में भी वही मुख्यमंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में उमा भारती को केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया गया था। मगर 2019 के लोकसभा चुनाव में उनका टिकट काट दिया गया। उसके बाद से वह लगातार अपने राजनीतिक पुनर्वास का प्रयास कर रही है। मगर उन्हें राजनीति में कहीं भी एडजेस्ट नहीं किया गया। इससे उमा भारती बहुत नाराज नजर आ रही है और अपनी नाराजगी का खुलकर इजहार भी कर रही है। उमा भारती शराबबंदी के लिए आंदोलन करने का एलान करने के साथ ही शराब दुकान पर पत्थर तक फेंक चुकी हैं। गत दिनो उन्होंने लोधी समाज के कार्यक्रम में कहा था कि वह समाज के लोगों से बीजेपी को वोट देने के लिए नहीं कहेंगी। उन्होंने कहा कि समाज वोट देते वक्त अपने हितों का ख्याल जरूर रखें। आठवीं बार की सांसद मेनका गांधी भी भाजपा आलाकमान से बहुत खफा नजर आ रही है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में मेनका गांधी व उनके सांसद पुत्र वरूण गांधी में से किसी को भी मंत्री नहीं बनाया गया। इतना ही नहीं उन्हें भाजपा की राष्ट्रीय परिषद से भी हटा दिया गया। मेनका गांधी के पुत्र वरुण गांधी तो लगातार केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ खुलकर बयान बाजी कर रहे हैं। 2017 में मेनका गांधी के पुत्र वरुण गांधी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनना चाहते थे। मगर योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बना दिया गया था। उसके बाद से ही वरुण गांधी पार्टी लाइन से दूर होते जा रहे हैं। सबसे वरिष्ठ सांसद होने के बाद भी मेनका गांधी को इस बार मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिलने से वह खुद को पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रही है। पिछले कुछ समय से मीडिया में लगातार इस बात की चर्चा हो रही है कि वरुण गांधी ने अपने चचेरे भाई राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से भी कांग्रेस में शामिल होने पर चर्चा की है। हालांकि राहुल गांधी ने कह दिया है कि वरुण गांधी की विचारधारा हमारे से अलग है और वह जहां है वहीं रहकर राजनीति करें। भाजपा की कद्दावर नेता वसुंधरा राजे सिंधिया, उमा भारती, मेनका गांधी की नाराजगी का असर अगले चुनावों में देखने को मिल सकता है। भाजपा आलाकमान को समय रहते उनके गिले-शिकवे पर चर्चा कर उनका समाधान करना चाहिए। तीनों ही महिला नेता अपने-अपने प्रदेशों की राजनीति में प्रभावशाली तो है ही इनके साथ बड़ा समर्थक वर्ग भी जुड़ा हुआ है। इनकी नाराजगी से भाजपा द्वारा केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का सपना कहीं सपना ही बनकर नहीं रह जाये। इस बात का भाजपा आलाकमान को अहसास होना चाहिये।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

वंचितों के विकास का बने पुख्ता रोडमैप

सुरेश सेठ

जब भारत आजाद हुआ तो उस समय हमारे लोकतंत्र का मुख्य लक्ष्य था प्रजातांत्रिक समाजवाद की स्थापना अर्थात गरीब और अमीर में भेद न रहे। एक जैसा व्यवहार और स्थान समाज में सबको मिले। लेकिन 75 वर्ष की आजादी के बाद अब असमता का आलम यह है कि देश में 70 करोड़ लोगों से ज्यादा पैसा सिर्फ 21 अरबपतियों के पास है। सोचने की बात है जब कर चुकाने की बारी आती है तो आम आदमी पर ही कर का अधिक बोझ क्यों पड़ता है? आधे से अधिक जीएसटी और लगभग तीन-चौथाई आयकर छोटे दुकानदार, आम आदमी और नौकरीपेशा लोग ही चुकाते क्यों नजर आते हैं? आज वंचितों का हितचिंतन होने लगा है। होना ही चाहिए उस देश में जहां कुल आबादी का एक फीसदी देश की सम्पदा के 40 प्रतिशत से अधिक पर कब्जा किए बैठा है। एक ओर हम समतावादी नारे लगाते नहीं थकते और दूसरी ओर देश में गरीब और अमीर के बीच अंतर तेजी से बढ़ रहा है। साल 2020 में भारत में अरबपतियों की संख्या 102 थी जो 2022 में बढ़कर 166 हो गई। उधर पिछले साल जीएसटी का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा 50 प्रतिशत आबादी ने चुकाया और सबसे अमीर दस फीसदी लोगों ने जीएसटी का सिर्फ 3 प्रतिशत हिस्सा चुकाया। संसद का बजट सत्र चालू हो गया। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण देश के विकास पथ पर अग्रसर होने का सामंजस्य महंगाई नियंत्रण से बिठा रही हैं। अगर धनी वर्ग अपने टैक्स का उचित हिस्सा नहीं चुकाते हैं। धनकुबेरों की सम्पदा एक साल में कम से कम 46 प्रतिशत बढ़ जाती है और भूख से त्रस्त भारतीयों की संख्या 4 साल में बढ़कर 19 करोड़ से 35 करोड़ हो जाती है। वहीं देश की महिला कर्मचारियों को पुरुषों के मुकाबले 1 रुपये की तुलना में 63 पैसे मिलते हैं तो ऐसे में देश में समतावाद का माहौल हमारे बजट कब लाएंगे? हाल ही में राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंचितों को वरीयता देने की घोषणा की। वहीं दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछले 8-9 साल में उनकी सरकार के तत्वावधान में मध्य वर्ग की हालत में बहुत सुधार हुआ। विडंबना है कि मध्य वर्ग को खुद ही इसका पता नहीं कि उसकी हालत में क्या सुधार हुआ? केन्द्रीय खाद्य एवं प्रसंस्करण मंत्री पशुपति नाथ पारस बोले कि एफपीओ योजनाओं के चलते किसानों की आय दोगुनी हो गई है। बेशक ऐसे आंकड़े शाब्दिक रूप से तो भारत के लिए एक उजले वर्तमान और एक चमकते भविष्य का संकेत दे देते हैं लेकिन जहां दस प्रतिशत धनियों के पास ही देश की 90 प्रतिशत सम्पदा हो, उसके नागरिकों को इन आंकड़ों से कितना बहलाया जा सकता है। जबकि आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, हमारी विकास दर 6.5 प्रतिशत है लेकिन वह निरंतर धीमी हो रही है। देखने वाली बात है कि यह विकास और सम्पदा की वृद्धि किन लोगों के पास इकट्ठी हो रही है। चुनौतियों से निपटने के लिए विश्वस्तर पर और भारत के कृषि और उद्योग दोनों क्षेत्रों में समन्वय समितियां बनाने पर बल तो दिया जा रहा है लेकिन आज भी देश में दो एकड़ तक खेती करने वाले छोटे किसानों का बाहुल्य है और वे कर्ज बोझ से दबे हैं। वंचितों को वरीयता की बात हम अवश्य करें लेकिन क्या उसके लिए अनुकम्पाएं और रियायतें बढ़ाने के अतिरिक्त कोई और रोडमैप नहीं? बेकारी, महंगाई और भ्रष्टाचार से इस देश का जितना आम आदमी तंग हुआ है, उतना उसका स्पर्श शायद ऊंचे प्रासादों तक नहीं जाता। बेकारी दूर करने के लिए मनरेगा शुरू किया गया था। आज मांग हो रही है कि कम से कम उसमें वंचित परिवार के एक सदस्य को सौ दिन का रोजगार तो मिले। वहीं बजट में भी मनरेगा के लिए आवंटित धनराशि कम हो रही है। रोजगार देने की गारंटी की कोई योजना सामने नहीं आती। आंकड़ों के मुताबिक, देश में आत्महत्या करने वालों की संख्या बढ़ी है और इनमें छोटे किसान, बेकार मजदूर और भटके हुए नौजवानों की संख्या बढ़ रही है। सरकार तो कहती है कि हमने किसानों को कृषि क्रांति की सौगात देने का प्रण कर लिया है। फसल विविधीकरण, मोटे अनाज का उत्पादन व खेती का मशीनीकरण तेजी से किया जाएगा। मध्य वर्ग के लिए भी कहा जा रहा है कि हम नयी शिक्षा नीति ले आए। शिक्षा संस्थानों की संख्या भी बढ़ गई। महिलाओं के दाखिले में वृद्धि हुई है लेकिन मध्यवर्ग क्या अनुकम्पा के बल पर ही जिएगा? क्या इस वर्ष जी20 के आयोजित होने वाले लगभग 200 सम्मेलनों में तीसरी दुनिया और वंचितों की समस्या के हल की तलाश की जाएगी? कुछ कदम जो उठाए गए हैं, उनके बारे में ब्यौरा तो दिया जाता है कि देश में सहकारिता की भावना को पुनः जीवित किया जाएगा। ग्रामीण और कुटीर उद्योगों का विकास किया जाएगा। दस्तकारी से बनी वस्तुओं के निर्यात को बढ़ाया जाएगा। इस बजट सत्र में अगर इन कदमों को सार्थक और पुख्ता करने के लिए कुछ व्यावहारिक कदम भी उठाए जा सकें तो बेहतर होगा न कि ग्रामीण क्षेत्रों और ग्रामीण दस्तकारी के विकास के नाम पर, निर्यात बढ़ाने के नाम पर धनकुबेरों को ही इन क्षेत्रों में आने की इजाजत दे दी जाए व स्टार्टअप उद्योगों में भी धनी-मानी नजर आयें।

विचार मंथन

रामलला की सेवा में नियुक्त होंगे दलित पुजारी और रसोइए?

(लेखक - सनत जैन)

9 राज्यों के विधानसभा चुनाव और अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए एक बार फिर मंडल और कमंडल की राजनीति अपने चरम पर पहुंच रही हैं। हाल ही में एक खबर आई है कि रामलला की सेवा में दलित पुजारी और रसोइयों को नियुक्त किया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद और भाजपा ने मंदिर निर्माण के साथ ही एक बड़ा दलित कार्ड खेलने की तैयारी कर रही है। अयोध्या के रामलला मंदिर में दलित पुजारी और रसोइयों की नियुक्ति बड़े पैमाने पर करने विचार हो रहा है। इसका राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में एक बयान दिया था। उसके बाद भाजपा और विश्व हिन्दू प रिषद दलितों को अपनी और आकर्षित करने के लिए भगवान राम का ही सहारा लेकर द तियों को जोड़ने के लिये योजना बना रही है। विश्व हिंदू परिषद और रामजन्म तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने एक समाचार पत्र से बातचीत करते हुए कहा कि अभी इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। भविष्य में क्या होगा, पता नहीं। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पहले जाति व्यवस्था को पंडितों द्वारा बनाई गई व्यवस्था बताया। बाद में उन्होंने स्पष्टीकरण भी दिया। मोहन भागवत के बयान से पंडित वर्ग नाराज होता हुआ दिखा। वहीं रामचरितमानस की एक चौपाई ढोल-गंवार-शुद्र-पशु-नारी, सकल ताड़ना के अधिकारी पर पिछले कई महीनों से बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तथा उसके बाद अन्य राज्यों में दलित और जातीय राजनीति को लेकर बड़ा बवाल मचा हुआ है। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिये भारतीय जनता पार्टी धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर एजेंडा तय करेगी। वहीं जदयू, सपा, बसपा एवं अन्य क्षेत्रीय दल दलितों को हिंदुओं से अलग बताने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। द लित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों को एकजुट करके क्षेत्रीय दलों ने मंडल राजनी ति को हवा दे दी है। दलित और पिछड़े नेता अब आक्रमक होकर सामने आ रहे हैं। भाजपा नेताओं को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं कि वह रामचरित्र मानस की इस चौपाई को विधानसभा और लोकसभा में पढ़कर सुनाएं। निश्चित रूप से भारत में धार्मिक और जातीय राजनीति चुनाव के पूर्व अब अपने चरम पर पहुंच गई है। एक बार फिर 1989 जैसी स्थितियां देश में बन रही हैं। मंडल और कमंडल के कारण कांग्रेस कमजोर हुई थी। कांग्रेस कई राज्यों की सत्ता से बाहर हो गई थी। क्षेत्रीय दलों का बड़ी तेजी के साथ उदय हुआ था। इसमें जाति समीकरण बहुत बड़ा कारण था। बिहार उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में जातीय समीकरण के कारण बड़ी तेजी के साथ उस समय राजनीतिक समीकरण बदले थे। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के लगभग 9 साल पूरे होने जा रहे हैं। गुजरात जैसे राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सत्ता 25 साल से ऊपर की हो चुकी है। अन्य कई हिंदीभाषी राज्यों में भी 15 से 20 साल पुरानी भाजपा की सरकारें सत्ता में हैं। उत्तर प्रदेश बिहार इत्यादि राज्य में सपा, बसपा, जदयू, राजद और अन्य जाति आधारित राजनीतिक दल सत्ता में पहुंच चुके हैं। ऐसी स्थिति में अब भारतीय जनता पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती हिंदू वोट बैंक को बचाना है। दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का पिछले 10 सालों में समर्थन भाजपा को बहुतायत में हिन्दुत्व के कारण मिल रहा था। अब उसकी काट करने के लिए हिंदुओं को राम और रामच रित मानस की चौपाई को आधार बना कर बांटने की एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर पुरजोर कोशिश शुरू हो गई है। रामलला के मंदिर में राजनीतिक समीकरण को ध्यान में रखते हुए, दलित पुजारी और रसोईया रखे गए, तो निश्चित रूप से ब्राह्मणों सहित उच्च जातियों में इसका विरोध होगा। उन्हें संभालना भारतीय जनता पार्टी के लिए बहुत मुश्किल होगा। जिस तरह की राजनैतिक स्थितियां बन रही है। उसमें बांटो और राज करो की जो नीतियां अंग्रेजों ने शुरू की थी। अब वह जाति आधारित और छोटी-छोटी जाति के समूह में बंटते हुए दिख रही हैं। इससे राष्ट्रीय हितों को बड़ा नुकसान होना तय है। पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह से धार्मिक एवं जाति समीकरण को लेकर भारतीय नाग रिकों का बिखराव हो रहा है।

वह देश की आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित करेगा। हिंदू धर्म की विभिन्न शाखाओं को भी आपस में बांटने का जो काम हो रहा है। यह स्थिति देश एवं सामा जिक व्यवस्था के सद्भाव को लेकर सबसे चिंताजनक है।

सोने ओर चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। सोने के दाम 57 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच गये हैं। वहीं, चांदी की कमतें भी 67 हजार रुपये प्रति किलो से ज्यादा बनी हुई हैं। सोने के दाम 57542 रुपये प्रति दस ग्राम पहुंच गये हैं जबकि चांदी 67363 रुपये प्रति किलो पर है। वहीं गत पिछले कारोबारी सत्र में सोना 57,147 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था हालांकि, चांदी की कीमत 38 रुपये की गिरावट के साथ 67,134 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। कमोडिटी बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार, यूएस फेड और अधिकांश यूरोपीय केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर में वृद्धि पर थोड़ा नरम रुख रखने के कारण डॉलर की मांग को आकर्षित किया, जिससे अमेरिकी डॉलर की दरों में 10 महीने के निचले स्तर से उछाल आया। इन जानकारों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों को 1,860 के लेवल पर मजबूत सहयोग मिला है। वहीं, घरेलू बाजार में सेाने की कीमतें 56,500 के स्तर पर सहयोग बनाए हुए है।

ओकाया ने स्कूटर को फास्ट एफ3 नाम दिया

- 10 फरवरी को लॉन्च होने वाला है नया इलेक्ट्रिक स्कूटर

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में ओकाया ईवी जल्द ही नया इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने जा रही है। स्कूटर को फास्ट एफ3 नाम दिया गया है। यह स्कूटर 10 फरवरी को लॉन्च होगा। कंपनी ने सोशल मीडिया पर नए इलेक्ट्रिक स्कूटर का टीजर शेयर कर दिया है। यह ओकाया के पोर्टफोलियो में चौथा इलेक्ट्रिक स्कूटर होगा। फिलहाल इसकी कीमत का ऐलान नहीं किया गया है। स्कूटर 1200 डब्ल्यू मोटर के साथ आएगा, जिसकी रेंज 100 किमी से ज्यादा होने की उम्मीद है। स्कूटर में डुअल बैटरी पैक हैं। इसमें 3.5 केडब्ल्यूएच ली-आयन एलएफपी बैटरी मिलती है। बैटरी लाइफ बढ़ाने के लिए स्विचेबल तकनीक भी है। अभी तक ओकाया फास्ट एफ3 के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। उम्मीद है कि नया स्कूटर एडवांस फीचर्स से लैस होगा। ओकाया के अन्य इलेक्ट्रिक स्कूटर फास्टश् एफ4, फ्रीडम और क्लासिक आईक्यू हैं। फास्ट एफ 4 में डुअल 72वी 30एएच की एलएफपी बैटरी मिलती है। कंपनी का दावा है कि इसकी राइडिंग रेंज 140-160 किमी के बीच है। बैटरी पैक फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करता है। ओकाया फास्ट एफ4 की कीमत 1.09 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। कंपनी का दूसरा इलेक्ट्रिक स्कूटर फ्रीडम है, जिसमें एक सिंगल 48वी 30एएच लिथियम बैटरी मिलती है। इसमें 70-75 किमी की राइडिंग रेंज का दावा किया गया है और चार्जिंग का समय 5 से 6 घंटे के बीच है। इसमें कोई राइडिंग मोड नहीं मिलता है, लेकिन एलईडी डेटाइम रनिंग लैंप के साथ हैलोजन हेडलैंप है। यह स्लो-स्पीड स्कूटर है। इसलिए टॉप स्पीड 25 केएमपीएच है। ओकाया फ्रीडम की कीमत 74,899 रुपये (एक्स-शोरूम) है। क्लासिक आईक्यू में फ्रीडम की तरह बैटरी पैक मिलता है, जो एक बार चार्ज करने पर 48वी 30एएच लिथियम बैटरी पैक है जो 60-70 किमी की राइडिंग रेंज का दावा करता है। इसकी टॉप स्पीड 25 किमी प्रति घंटा है, लेकिन इसमें एलईडी डेटाइम रनिंग लैंप के साथ सभी एलईडी लाइटिंग मिलती है। ओकाया क्लासिकआईक्यू की कीमत रुपए 74,499 (एक्स-शोरूम) है।चार्जिंग की बात करें तो चार्जिंग टाइम 5 से 6 घंटे का है। इसमें तीन राइडिंग मोड्स ईको, सिटी और स्पोर्ट्स भी हैं और टॉप स्पीड 60-70 किमी प्रति घंटे के बीच है। कॉम्बी ब्रेकिंग सिस्टम और सभी एलईडी लाइटिंग हैं।

रेपो दर में मामूली वृद्धि के बाद सेंसेक्स की 378 अंक की छलांग, निफ्टी 17,850 अंक के पार

मुंबई, (एजेंसी)

रेपो दर में वृद्धि की रफ्तार धीमी होने से बुधवार को घरेलू शेयर बाजार में सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय एवं पेट्रोलियम शेयरों में खरीदारी से दोनों प्रमुख सूचकांक आधा प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 377.75 अंक यानी 0.63 प्रतिशत चढ़कर 60,663.79 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही सेंसेक्स में पिछले दो दिन से जारी गिरावट थम गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी भी 150.20 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,871.70 अंक पर बंद हुआ। इस तेजी के पीछे अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड और एचडीएफसी लाइफ के शेयरों की बड़ी भूमिका रही। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से बजाज फाइनेंस ने सर्वाधिक 3.14 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की।

अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, टाइटन और मारुति सुजुकी के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी तरफ, एलएंडटी को 1.62 प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ा। भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में भी गिरावट रही। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''आरबीआई ने बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रेपो दर में छोटी बढ़ोतरी ही की। इससे तेजड़िये हावी हो गए और लिवाली का जोर रहा।'' रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि करने का फैसला किया है जिसके बाद यह बढ़कर 6.50 प्रतिशत हो गई है। इसके अलावा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के अनुमान को भी 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया गया है।

सर्च परिणामों में खेलने योग्य पॉडकास्ट दिखाने वाले फीचर को समाप्त करेगा गूगल

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने घोषणा की है कि वह 13 फरवरी को अपने फीचर को समाप्त कर देगा जो उपयोगकर्ताओं को सीधे सर्च परिणामों से खेलने योग्य पॉडकास्ट तक पहुंचने की अनुमति देता है।टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, फीचर को आधिकारिक तौर पर 2019 में लॉन्च किया गया था और जब यह उपयोगकर्ता की क्वेरी से मेल खाता है तो पॉडकास्ट प्रदर्शित करता है, जिसमें उपयोगकर्ता विशेष रूप से खोज शब्दों में पॉडकास्ट शब्द जोड़ता है। कंपनी ने गूगल पॉडकास्ट मैनेजर में एक मैसेज के साथ शटडाउन की घोषणा की। मैसेज में कहा गया, गूगल सर्च 13 फरवरी तक पॉडकास्ट कैरोसेल दिखाना बंद कर देगा। नतीजतन, हाव पीपल फाइंड योर शो में क्लिक और इंप्रेशन उस तारीख के बाद शून्य हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त, पॉडकास्टरों को सलाह दी जाती है कि वे इस अंतिम शटडाउन से पहले कोई भी ऐतिहासिक डेटा डाउनलोड करें जिसे वे सहेजना चाहते हैं। एक प्रवक्ता ने टेकक्रंच को बताया, हमारी मौजूदा पॉडकास्ट फीचर्स को धीरे-धीरे एक नई, एकल सुविधा, पॉडकास्ट के साथ बदल दिया जाएगा।

महंगा होगा कर्ज बढ़ेगी ईएमआई, आरबीआई ने रेपो रेट में की 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने आम जनता को महंगाई का एक और झटका दिया है। आरबीआई ने आज मौद्रिक समीक्षा बैठक के बाद रेपो रेट में 25 बेसिक प्वाइंट की बढ़ोतरी की है। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। लगातार छठी बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद रेपो रेट 6.5 फीसदी पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मौद्रिक समीक्षा बैठक का आज अंतिम दिन है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर ने मौद्रिक समीक्षा बैठक की डिटेल साझा की है। जानकारों ने पहले से ही आरबीआई रेपो रेटद्वारा रेपो रेट में 25 बेसिक प्वाइंट की बढ़ोतरी की बात कर रहे थे। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास मौद्रिक समीक्षा बैठक के बाद घोषणा की। इस ऐलान के बाद बैंकों का लोन महंगा हो गया। वहीं आपकी ईएमआई का बोझ भी बढ़ जाएगा। इससे पहले आरबीआई ने बीते साल 5 बार लगातार रेपो रेट में बढ़ोतरी की। एक साल में रेपो रेट में कुल 225 बेसिक प्वाइंट की बढ़ोतरी का गई थी। आखिरी बार दिसंबर 2022 में इसमें 0 ।35 फीसदी का इजाफा किया गया था। इसे बढ़ाकर 6 ।24 फीसदी कर दिया गया था। रेपो रेट बढ़ने से आम आदमी के लिए लोन और ईएमआई महंगी हो जाती है।

लगातार दूसरे दिन पेटीएम शेयर में लगा अपर सर्किट, ब्रोकरेज ने बढ़ाया टार्गेट प्राइज

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

पेटीएम के शेयर ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन अपनी रैली को आगे बढ़ाया। शुरुआती कारोबार में शेयर में 20 फीसदी का अपर सर्किट लगा। जबकि 2 दिनों में शेयर 27 फीसदी से ज्यादा उछल चुका है। मजबूत तीसरी तिमाही के आंकड़ों के बाद वैश्विक स्तर पर प्रमुख ब्रोकरेज ने पेटीएम शेयरों के लिए अपना टारगेट प्राइज बढ़ा दिया है। पेटीएम के शेयरों में तीन अंकों का प्रतिशत उल्टा देखा जा रहा है। करीब 12 बजे बीएसई पर पेटीएम के शेयर 9.81 फीसदी या 54.75 की बढ़त के साथ 612.75 पर ट्रेड कर रहे थे। इसका मार्केट कैप करीब 39,787.96 करोड़ है। वहीं, इंट्राडे में यह शेयर एक समय पर 20 फीसदी के अपर सर्किट के साथ 669.35 रुपये प्रति शेयर के लेवल पर पहुंच गया था। तीसरी तिमाही के बाद पेटीएम के शेयरों ने धमाकेदार शुरुआत की है। सोमवार को दलाल स्ट्रीट पर शेयर की कीमत 6.31 फीसदी बढ़कर 558 पर बंद हुई। अब तक सप्ताह में डी-स्ट्रीट पर शेयर कम से कम 27.55 फीसदी चढ़ चुके हैं। पेटीएम को लेकर ब्रोकरेज हाउस भी बुलिश नजर आ रहे हैं। गोल्डमैन सैक्स, बैंक ऑफ अमेरिका, सीएलएसए और साइटिक जैसी वैश्विक फर्मों ने पेटीएम पर अपना टारगेट प्राइज 119 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। सिटी, सीएलएसए और गोल्डमैन सैक्स ने वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही की आय के बाद शेयर खरीदने की सिफारिश की है, जबकि बोफा ने अपनी 'तटस्थ' रेटिंग बनाए रखी है। दरअसल, दिसंबर तिमाही के दौरान परिचालन से कंपनी का रेवेन्यू लगभग 42 प्रतिशत बढ़कर 2,062.2 करोड़ रुपए हो गया जो कि एक साल पहले की अवधि में 1,456.1 करोड़ रुपए था। वहीं, इसका नेट लॉस भी कम हो गया है। दिसंबर 2022 की तिमाही में फिनटेक कंपनी का नेट लॉस सिमटकर 392 करोड़ रुपये हो गया। पेटीएम ने बताया कि कंपनी का घाटा पिछले साल इसी अवधि में 778.4 करोड़ रुपए था। पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने कहा कि दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी ने ईएसओपी लागत को छोड़कर परिचालन लाभ के अपने लक्ष्य को हासिल कर लिया है।

महाराष्ट्र सरकार अडानी समूह को सौंपेगी धारावी पुनर्विकास परियोजना, जल्द जारी होगी जीआर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद मुश्किल में फंसे अडानी समूह के अच्छे दिन लौटने लगे हैं। शेयर बाजार में अडानी समूह के शेयरों में गिरावट का सिलसिला थम गया है। अब महाराष्ट्र सरकार ने अडानी ग्रुप को धारावी पुनर्विकास परियोजना को औपचारिक रूप से सौंपने की तैयारी कर ली है। महाराष्ट्र सरकार जल्द ही धारावी पुनर्विकास परियोजना को अडानी ग्रुप को सौंपने के लिए सरकारी संकल्प यानी जीआर जारी करेगी। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडनवीस ने मंगलवार को टीओआई को बताया कि महाराष्ट्र सरकार जल्द ही धारावी पुनर्विकास परियोजना को औपचारिक रूप से अडानी समूह को सौंपने के लिए जीआर जारी करने वाली है। उन्होंने कहा, जीआर जारी होने से पहले कुछ जरूरी चीजों पर काम किया जाना है। यह बहुत जल्द हो जाएगा। बता दें कि अडानी समूह परियोजना के लिए सबसे अधिक बोली लगाने वाला था, जिसने अनुमानित 23,000 करोड़ रुपये की परियोजना के लिए 5,069 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। बोली के लिए आधार मूल्य 2018 में 3,150 करोड़ रुपये से घटाकर 2022 में 1,600 करोड़ रुपये कर दिया गया था। बता दें कि मुंबई धारावी को रिडेवलप करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने प्लान तैयार किया है। इसके तहत अडानी की कंपनी के साथ करार करके स्लम एरिया को संवारा जाएगा। इस प्रोजेक्ट से इस क्षेत्र में झुग्गी झोपड़ियों में रहने वालों को फायदा होगा। प्रोजेक्ट के तहत धारावी के झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले योग्य लोगों को मुफ्त में घर मिल सकेगा। पिछले साल दिसंबर में, कैबिनेट ने समूह को परियोजना देने को मंजूरी दे दी थी, हालांकि दुबई स्थित सेकलिंक ग्रुप द्वारा दायर एक मामला जिसे परियोजना को रद्द करने को चुनौती दी गई थी, बॉम्बे हाईकोर्ट के समक्ष लंबित है। धारावी पुनर्विकास प्राधिकरण के सीईओ एसवीआर श्रीनिवास के मुताबिक, पुनर्विकास परियोजना के लिए प्राधिकरण को सौंपी जाने वाली 47 एकड़ रेलवे भूमि का संयुक्त माप अंतिम चरण में है। राज्य सरकार ने 2019 में जमीन के लिए 800 करोड़ रुपए का अग्रिम भुगतान किया था। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद अडानी समूह जहां एक विवाद में फंस गया है। यह परियोजना 178 हेक्टेयर में लागू की जानी है, जिसे धारावी अधिसूचित क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, इसके अलावा अन्य 62 हेक्टेयर है। अनुमानित 58,000 योग्य झुग्गी परिवार और इतनी ही संख्या में अपात्र परिवार हैं।

एमपीएस समूह की कंपनियों और 5 अन्य की 22 संपत्तियों को नीलाम करेगा सेबी

नयी दिल्ली । शेयर बाजार नियामक सेबी ने निवेशकों का पैसा वसूलने के लिए एमपीएस समूह, टावर इंफोटेक और चार अन्य की कुल 22 संपत्तियों की नीलामी करने की घोषणा की है। यह नीलामी तीन मार्च को 91 करोड़ रुपए के आरक्षित मूल्य पर की जाएगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एमपीएस ग्रुप और टावर इंफोटेक के अलावा विबग्योर ग्रुप, प्रयाग ग्रुप, मल्टीपरपज बीआईओएस इंडिया ग्रुप और बॉयस फाइनेंस इंटरनेशनल ग्रुप की संपत्तियों को नीलामी के लिए रखा है। इन कंपनियों ने नियामक मानदंडों का पालन किए बिना निवेशकों से पूंजी जुटाई थी। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने एक सूचना में कहा कि जिन 22 संपत्तियों की नीलामी की जानी है, उनमें जमीन, इमारतें, फ्लैट और पश्चिम बंगाल में स्थित एक वाणिज्यिक स्थल शामिल है। सेबी ने बोलियां आमंत्रित करते हुए कहा कि संपत्तियों की नीलामी तीन मार्च को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे के दौरान ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी।

अडाणी की कंपनियों के शेयरों में दिखी तेजी, मूडीज-फिच ने कहा चिंताजनक नहीं बैंकों से लिया गया कर्ज

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद आधी हो गई अडानी की संपत्ति, मूडीज और फिच ने कहा अडाणी समूह पर इतना कर्ज नहीं कि चुकाया न जा सके

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के कारण अडानी को पिछले आठ कारोबारी दिनों में काफी नुकसान हुआ। उनकी संपत्ति आधी हो गई, लेकिन अब अडाणी समूह की कंपनियों ने कमबैक शुरू कर दिया है। अडाणी के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। वहीं अब रेटिंग एजेंसियों ने भी अडाणी समूह को लेकर बड़ी बात कही है। मूडीज और फिच दोनों ने अडानी समूह के लोन को लेकर अपनी रिपोर्ट दी है।

दुनिया की प्रमुख रेटिंग एजेंसियों फिच और मूडीज ने कहा कि अडानी समूह की कंपनियों द्वारा भारतीय बैंकों से लिया गया लोन इतना अधिक नहीं है कि उनकी ऋण गुणवत्ता पर किसी तरह का जोखिम पैदा हो। रेटिंग एजेंसियों फिच और मूडीज ने मंगलवार को कहा कि अडाणी समूह की कंपनियों को भारतीय बैंकों की तरफ से दिया गया कर्ज इतना अधिक नहीं है कि उनकी ऋण गुणवत्ता पर किसी तरह का जोखिम पैदा हो। इसके साथ ही दोनों रेटिंग एजेंसी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर बैंकों को असाधारण सरकारी समर्थन मिलने की उम्मीद को ध्यान में रखते हुए बैंक रेटिंग निर्धारित की जाती हैं। अमेरिकी निवेश शोध फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की प्रतिकूल रिपोर्ट आने के बाद से अडाणी समूह के शेयरों में तगड़ी गिरावट आई है। इसकी वजह से भारतीय बैंकों के समूह को दिए गए कर्ज को लेकर भी आशंका जताई जाने लगी है। फिच रेटिंग्स ने इस संदर्भ में अपनी एक टिप्पणी में कहा कि अडाणी समूह को भारत के बैंकों का कर्ज अपने-आप में इतना अधिक नहीं है कि बैंकों के ऋण प्रोफाइल को किसी तरह का ठोस जोखिम पैदा हो सके। उसने कहा कि बैंकों की रेटिंग इस उम्मीद पर आधारित होती है कि उन्हें कर्ज फंसने की स्थिति में जरूरत पड़ने पर असाधारण सरकारी समर्थन मिल जाएगा। फिच ने कहा,कि अगर अडाणी समूह के बड़े हिस्से के दबाव में आने की काल्पनिक स्थिति में भी भारतीय बैंकों का कर्ज जोखिम प्रबंधन-योग्य होगा और इन बैंकों की व्यवहार्यता रेटिंग पर भी उसका कोई प्रतिकूल परिणाम नहीं होगा।

हालांकि फिच ने कहा कि अडाणी समूह से संबंधित कुछ ऐसे

गैर-पोषित कर्ज हो सकते हैं जिनकी जानकारी नहीं दी गई हो। लेकिन रेटिंग एजेंसी को ऐसी होल्डिंग के वितरित कर्ज की तुलना में कम ही रहने की उम्मीद है। इसी के साथ फिच ने ऐसे जोखिम को लेकर आगाह भी किया है कि इस विवाद का असर व्यापक हो जाए और भारत की साख पर असर डाले।

एक अन्य क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज इंवेस्टर सर्विस ने कहा कि अडाणी समूह को कर्ज देने के मामले में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक निजी बैंकों से कहीं आगे हैं, लेकिन ज्यादातर बैंकों के कुल ऋण वितरण में अडाणी समूह की हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी कम है। हालांकि मूडीज ने कहा है कि भारतीय बैंकों के कर्ज को लेकर भले ही जोखिम कम है लेकिन मौजूदा घटनाक्रम की वजह से अडाणी समूह को अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिलने वाले वित्त में गिरावट आ सकती है। अडाणी समूह ने कहा है कि उसके कर्ज का बड़ा हिस्सा विदेश से आया है। इस संदर्भ में मूडीज ने कहा कि बैंकों का जोखिम बढ़ सकता है अगर अडाणी समूह बैंकों से लिए गए कर्ज पर अधिक निर्भर हो जाता है।

रेटिंग एजेंसी को उम्मीद है कि भारतीय बैंकों के कंपनियों को दिए गए कर्ज की गुणवत्ता कुल मिलाकर स्थिर बनी रहेगी।

वोडाफोन-आइडिया निदेशक मंडल ने सरकार को 33.44 फीसदी हिस्सेदारी देने को दी मंजूरी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

बुरी तरह कर्ज में डूबी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी वोडाफोन आइडिया के निदेशक मंडल ने 16,133 करोड़ रुपए मूल्य के इक्विटी शेयर सरकार को आवंटित करने को मंजूरी दे दी है। यह कंपनी में 33.44 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा है कि सरकार को यह हिस्सेदारी बकाया ब्याज के एवज में दी जा रही है। यह ब्याज समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) और स्पेक्ट्रम नीलामी का भुगतान टाले जाने पर लगाया गया है। वोडाफोन आइडिया ने कहा कंपनी के निदेशक मंडल ने मंगलवार को हुई बैठक में 10 रुपये अंकित मूल्य के 16,133,198,899 इक्विटी शेयर 10 रुपए प्रति शेयर के भाव पर भारत सरकार के निवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) को आवंटित करने को मंजूरी दी है। ये शेयर 16,133,184,8990 रुपये मूल्य के हैं। सरकार ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया के ऊपर 16,133 करोड़ रुपये के बकाया ब्याज को इक्विटी में बदलने के प्रस्ताव को पिछले हफ्ते मंजूरी दी थी। आदित्य बिड़ला समूह की तरफ से कंपनी को चलाने और जरूरी निवेश लाने की पूरी प्रतिबद्धता जताने के बाद यह अनुमति दी गई है। कंपनी ने कहा शेयर हस्तांतरण के बाद कंपनी में भारत सरकार की हिस्सेदारी 33.44 प्रतिशत हो जाएगी। इसके साथ ही वोडाफोन आइडिया की चुकता शेयर पूंजी 482,520,327,840 रुपए हो जाएगी। इसमें 10 रुपये अंकित मूल्य के 48,252,032,784 इक्विटी शेयर शामिल हैं। इससे पहले, वोडाफोन आइडिया ने शेयर हस्तांतरण से सरकार को 33.14 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलने का अनुमान जताया था। कंपनी के प्रवर्तकों आदित्य बिड़ला समूह और वोडाफोन समूह के पास क्रमशः 18.07 प्रतिशत और 32.29 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

उत्तर प्रदेश और बिहार में घटीं पेट्रोल-डीजल की कीमतें

नई दिल्ली । (एजेंसी)

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के बाद भी देश में कुछ जगहों पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटीं हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम करीब 2.5 डॉलर प्रति बैरल बढ़े हैं। इसके बाद भी सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है और उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार तक पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटीं हैं हालांकि दिल्ली-मुंबई सहित चारों महानगरों में कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के नोएडा-ग्रेटर नोएडा में आज सुबह पेट्रोल 14 पैसे सस्ता होकर 96.65 रुपये प्रति लीटर हो गया, जबकि डीजल 14 पैसे सस्ता होकर 89.82 रुपये लीटर पहुंच गया। वहीं उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल के दाम 14 पैसे कम होकर 96.44 रुपये प्रति लीटर पहुंच गये जबकि और डीजल 13 पैसे घटकर 89.64 रुपये लीटर पहुंच गया। दूसरी ओर बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल के दाम 41 पैसे गिरकर 107.24 रुपये लीटर हो गये। वहीं डीजल 38 पैसे सस्ता होकर 94.04 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया।

वहीं चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया।

एशियाई जूनियर स्क्वाश में भारत, पाक सहित दस टीमों में होगा मुकाबला

चेन्नई । एशियाई जूनियर स्क्वाश में भारत और पाकिस्तान की टीमों में मुकाबला होगा। भारतीय पुरुष और महिला टीमों को यहां शुरू हुई 21वीं एशियाई जूनियर टीम स्क्वाश चैंपियनशिप (अंडर-19) में दूसरी और तीसरी वरीयता मिली है। इस प्रतियोगिता में एशिया की 10 टीमें शामिल हैं। इसमें भारतीय टीम को पुरुष वर्ग में मलेशिया, जापान, सिंगापुर और चीनी ताइपे के साथ ग्रुप बी में रखा गया है जबकि महिला वर्ग में भारतीय टीम हांगकांग चीन, सिंगापुर और श्रीलंका के साथ ग्रुप बी में है। इसमें भारत और पाकिस्तान के अलावा चीनी ताइपे, हांगकांग (चीन), जापान, कोरिया, कुवैत, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका जैसी टीमें शामिल हैं। इसमें पाक को पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीयता दी गई है और उसे दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम से मुकाबला करना होगा। भारतीय टीम में कृष्ण मिश्रा, पार्थ अंबानी, शरण पंजाबी और शौर्य बावा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट आज से

सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा मैच

नागपुर ।(एजेंसी)

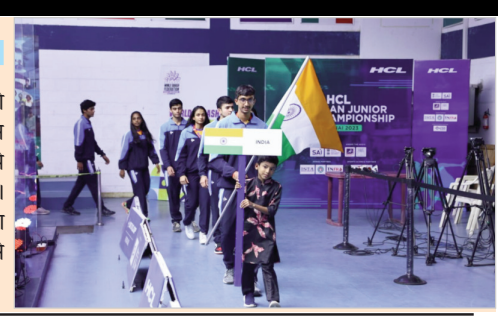

भारत और मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार से यहां चार टेस्ट मैचों की सीरीज के बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट शुरु होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीतकर सीरीज की अच्छी शुरुआत करना चाहेंगी। भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने के लिए यह सीरीज जीतना बेहद जरुरी है। इसलिए कप्तान रोहित शर्मा की टीम इसे जीतने पूरी ताकत लगा देगी। वहीं मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम अब इस सीरीज में जीत के साथ अपनी जगह फानल में पक्की करने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम के लिए इस सीरीज में सकारात्मक बात यह है कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। नागपुर की पिच से स्पिनरों को सहायता मिलने की उम्मीद है जिससे भी भारतीय टीम को लाभ होगा। इस मैच में युवा बल्लेबाज शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव में से किसी एक को जगह मिल सकती है। शुभमन ने हाल में श्रीलंका ओर न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी की है। वहीं सूर्यकुमार का भी प्रदर्शन अच्छा रहा है और ऐसे में उन्हें भी टेस्ट पदार्पण का अवसर मिल सकता है। टीम के कप्तान रोहित ने कहा कि अंतिम ग्यारह में जगह के लिए खिलाड़ी के फार्म के साथ ही मैदान के हालात भी अहम होंगे। भारतीय टीम के पास स्पिनर के तौर पर आर अश्विन , रविन्द्र जडेजा और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं लोकेश राहुल ओर विराट कोहली की वापसी से टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस मैच में मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की कमी खेलेगी। ये दोनो ही चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। इसके अलावा कैमरुन ग्रीन का खेलना भी संदिग्ध है। ऐसे में गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को टीम में जगह मिलना तय है। कैमरुन को अगर शामिल भी किया जाएगा तो वह केवल बल्लेबाजी कर पायेंगे। टीम में इस सीरीज में जीत के लिए स्पिनरों पर अधारित रहेगी, टीम में मौजूद विश्व के सबसे बेहतरीन स्पिनरों में एक नाथन लायन भी इस सीरीज से पहले अच्छी फॉर्म में हैं ओर वह भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। बल्लेबाजी के बात करें तो ऑस्ट्रेलियाई टीम में स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, डेविड वार्नर और मार्नस लाबुछेन का हाल ही में टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन रहा है।

भारतीय टीम में जहां विराट कोहली, शुभमन गिल और चेतेश्वर पुजारा ने बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी टेस्ट सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया था, वहीं कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल का प्रदर्शन उस स्तर का नहीं रहा है। ऋषभ पंत के चोटिल हो जाने के बाद भारतीय टीम का मध्यक्रम थोड़ा कमजोर पड़ गया है हालांकि रविंद्र जडेजा की वापसी के बाद टीम के निचले क्रम में मजबूती आई है, वहीं रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव घरेलू परिस्थितियों में अपनी स्पिन से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को दिक्कत दे सकते हैं। तेज गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और उनादकट का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है।

आईसीसी रैंकिंग : सूर्यकुमार शीर्ष पर बरकरार, शुभमन ने लगायी लंबी छलांग

शीर्ष दस में एक भी भारतीय गेंदबाज को नहीं मिली जगह

दुबई ।(एजेंसी)

अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव नंबर एक पर बने हुए हैं। सूर्यकमार के 906 रेटिंग अंक हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं भारत के ही युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल भी कीवी टीम के साथ हाल में हुई सीरीज में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 30वीं रैंकिंग पर पहुंच गए। शुभमन ने कीवी टीम के खिलाफ अंतिम मैच में शतक लगाया था। खेल के तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाले शुभमन एकदिवसीय में छठे और टेस्ट में 62वें स्थान पर हैं। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली एक स्थान के नुकसान के साथ ही 15वें स्थान पर खिसक गये है जबकि लोकेश राहुल दो स्थान नीचे आकर 27वें और कप्तान रोहित शर्मा 29वें स्थान पर हैं। ईशान किशन तीन पायदान फिसलकर 48वें स्थान पर हैं। वहीं टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष दस में कोई भी भारतीय गेंदबाज शामिल नहीं है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह आठ स्थान के लाभ के साथ ही करियर की सर्वश्रेष्ठ 13वीं रैंकिंग पर पहुंच गये हैं। भुवनेश्वर कुमार एक स्थान नीचे आकर 21वें स्थान पर हैं। रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल 29वें और 30वें स्थान पर बने हुए हैं।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के अनुभवों से बेहतर हुई है टीम : सविता पूनिया

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका दौरे में मिले अनुभवों का लाभ उन्हें आने वाले समय में मिलेगा। सविता ने कहा कि इन अंतरराष्ट्रीय मैचों से उनकी टीम ने कड़े मुकाबलों में आत्मविश्वास और आक्रामकता के साथ खेलने का तरीका सीखा है। सविता ने कहा, 'यह साल हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम एशियाई खेल जीतकर सीधे पेरिस ओलंपिक के लिए प्रवेश हासिल करना चाहते हैं। इस साल हम काफी सकारात्मक रुख के साथ खेल रहे हैं। इसका कारण है कि हमें पिछले कुछ सालों में काफी अच्छा अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिला है और इससे हमारी टीम का मनोबल बढ़ने के साथ ही उसकी आक्रामक भी बढ़ी है। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैचों में जीत मिली जबकि एक मैच बराबरी पर रहा हालांकि नीदरलैंड के विरुद्ध भारतीय टीम तीनों ही मैचों में हार गयी। कप्तान ने कहा, इस दौरे ने हमें एक टीम के रूप में एक दूसरे के साथ बेहतर तालमेल बैठाने में भी सहायता मिली। भारतीय टीम अब बेंगलुरु के राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण (साई) में 12 फरवरी को शुरू होने वाले राष्ट्रीय शिविर में शामिल होगी। टीम छह सप्ताह के इस शिविर में अपनी क्षमताओं और अनुकूलन पर ध्यान देगी। इसके अलावा खिलाड़ी केप टाउन में अपने प्रदर्शन की समीक्षा करने के बाद हॉकी के तकनीकी पहलुओं को भी ठीक करने का प्रयास करेंगे।

अर्जेंटीना, उरुग्वे, चिली, पैराग्वे ने फीफा विश्व कप 2030 की मेजबानी के लिए संयुक्त बोली लगाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)

चार दक्षिण अमेरिकी देशों - उरुग्वे, अर्जेंटीना, चिली और पैराग्वे ने आधिकारिक तौर पर 2030 फीफा विश्व कप की सह-मेजबानी के लिए संयुक्त बोली लगाई है। दक्षिण अमेरिकी देश उस स्थान पर टूर्नामेंट कराना चाहते हैं जहां फुटबॉल का जन्म हुआ था। हालांकि, फीफा अगले साल 2030 विश्व कप के मेजबान के नाम की घोषणा करेगा। दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल परिसंघ (कॉनमेबॉल) ने एक ट्वीट में कहा, दक्षिण अमेरिकी देश उरुग्वे, अर्जेंटीना, पैराग्वे और चिली ने आधिकारिक तौर पर 2030 में सबसे बड़े फुटबॉल इवेंट की मेजबानी के लिए अपनी संयुक्त उम्मीदवारी की घोषणा की। कॉनमेबॉल के अध्यक्ष एलेजांद्रो डोमिंगुएज ने कहा, हमारे पास एक टीम है। हम इसे बहुत ज्यादा मानते हैं और फीफा का दायित्व है कि वह उन लोगों के इतिहास का सम्मान करे, जिन्होंने 100 साल पहले एक विश्व टूर्नामेंट को संभव बनाया। मुझे यकीन है कि वे लोग यह देखकर हैरान होंगे कि फुटबॉल में क्या हासिल किया है। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष क्लॉडियो तापिया ने कहा, हम इस विश्व कप को फिर से इसकी शताब्दी पर होस्ट करने का सपना देखते हैं। सभी दक्षिण अमेरिकियों में फुटबॉल को लेकर जुनून है।हमें दुनिया को दिखाना चाहिए कि अर्जेंटीना, उरुग्वे, पैराग्वे और चिली 2030 विश्व कप की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं। हमें कॉनमेबॉल बनाने वाले 10

संघों के सभी अध्यक्षों का समर्थन प्राप्त है। बोली 2026 के टूर्नामेंट के समान पैटर्न का अनुसरण करते हुए लगाई गई है, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा द्वारा सह-मेजबानी की जाएगी। उरुग्वे ने 1930 में अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर पहला विश्व कप जीता था। इसके बाद से इसकी मेजबानी नहीं हुई है, जबकि चिली ने 1962 में एक बार और अर्जेंटीना ने पहली बार 1978 में खिताब जीता था। पैराग्वे चार में से एकमात्र ऐसा देश है जिसने कभी भी विश्व कप की मेजबानी नहीं की है।

संक्षिप्त समाचार

सर्जरी कराने के लिए दुबई और दोहा टूर्नामेंट से बाहर हुईं जाबौर

नई दिल्ली। ट्यूनीशिया की दुनिया की तीसरे नंबर की महिला टेनिस खिलाड़ी ओन्स जाबौर ने बुधवार को दोहा और दुबई में होने वाले डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट से बाहर होने की घोषणा की, जो इस महीने के अंत में होने वाले हैं।जाबौर ने कहा कि उन्हें एक छोटी सी सर्जरी से गुजरना है लेकिन उन्होंने इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में जाबौर ने कहा, मेरी स्वास्थ्य स्थिति का ध्यान रखने के लिए मेरी मेडिकल टीम ने फैसला किया है कि कोर्ट पर वापस आने और अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम होने के लिए मुझे एक छोटी सी सर्जरी कराने की आवश्यकता है। कतर ओपन 13 से 18 फरवरी तक होना है जबकि दुबई चैंपियनशिप 19 फरवरी से 4 मार्च तक होनी है। उन्होंने कहा, मुझे दोहा और दुबई टूर्नामेंट से बाहर होना होगा और यह मेरा दिल तोड़ने वाला फैसला है। मैं उन सभी प्रशंसकों से माफी मांगना चाहती हूं जिन्होंने मेरा इंतजार किया है। मैं वादा करती हूं कि मैं आपके पास मजबूत और स्वस्थ होकर लौटूंगी। कतर ओपन 13 से 18 फरवरी तक होना है जबकि दुबई चैंपियनशिप 19 फरवरी से 4 मार्च तक होनी है। 28 वर्षीय जाबौर के लिए 2022 एक यादगार वर्ष था क्योंकि वह विश्व रैंकिंग में नंबर 2 पर पहुंच गई और विंबलडन और यूएस ओपन दोनों में फाइनल में पहुंची थीं।

पीवीएलः कप्तान अश्वल राय बोले, कोलकाता थंडरबोल्ट्स पर कोई दबाव नहीं

बेंगलुरु। कोलकाता थंडरबोल्ट्स पर प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) के डिफेंडिंग चैंपियन होने का कोई दबाव नहीं है, क्योंकि टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच को जीतकर मौजूदा सीजन 2 पर ध्यान केंद्रित कर रही है। थंडरबोल्ट्स ने प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) सीजन 2 में अपने अभियान की शुरूआत बेंगलुरु टॉरपीडोज को कोरमंगला इंडोर स्टेडियम में 15-11, 15-11, 15-14, 10-15, 14-15 के स्कोर लाइन के साथ तीन सीधे सेटों में हराकर की। कोलकाता थंडरबोल्ट्स के कप्तान अश्वल राय ने कहा कि सीजन का पहला मैच जीतने से टीम को बहुत जरूरी आत्मविश्वास मिला है। अश्वल राय ने आईएएनएस को बताया, हम डिफेंडिंग चैंपियन हैं लेकिन हम किसी दबाव में नहीं हैं, हम टूर्नामेंट को नए सिरे से खेल रहे हैं। हम इस बार कुछ नए खिलाड़ियों के साथ खेल रहे हैं जो युवा हैं, इसलिए अपना पहला मैच जीतने से निश्चित रूप से हमें आत्मविश्वास मिला है। हम अगले मैच में भी अपनी लय जारी रखने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, जनशाद और कोडी कोडविल दोनों ने अच्छा खेला, उनका समन्वय वहीं है। टीम में सभी की अच्छी बॉन्डिंग है। मैं अपने खेल पर काम कर रहा हूं, मैं अपनी गलतियों पर काम कर रहा हूं, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। अश्वल ने कहा, हैदराबाद ब्लैक हॉक्स टीम में हमलावर हमारे लिए खतरा बन सकते हैं क्योंकि उन्होंने आखिरी मैच में अच्छा खेला था।

रोहित ने माना ऋषभ की कमी खलेगी पर टीम उसे पूरा करने प्रयास करेगी

अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी से टीम चयन हुआ कठिन

नागपुर ।(एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है उनकी टीम गुरुवार से शुरु हो रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए तैयार है। रोहित ने कहा है कि इस टेस्ट सीरीज में आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की कमी खलेगी पर टीम उसे पूरा करने का प्रयास करेगी। इस सीरीज में रोहित के लिए अंतिम ग्यारह का चयन आसान नहीं होगा क्योंकि हाल में युवाओं के काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं लोकेश राहुल और विराट कोहली जैसी अनुभवी खिलाड़ियों की टीम में वापसी हुई है। रोहित ने पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, हमें ऋषभ की कमी महसूस होगी पर हमारे पास वह भूमिका निभाने के लिए खिलाड़ी हैं। हमने खिलाड़ियों से उनकी योजनाओं के बारे में बात की है और उम्मीद है कि कल से हम उन्हें लागू कर सकेंगे। गौरतलब है कि ऋषभ 2020 से 2022 तक टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने इस दौरान खेले गए 22 मैचों में 43.34 की औसत से 1517 रन बनाये हैं।

ऋषभ ने कई मैच विजेता पारियां खेली हैं। पिछली बार जब

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था तब इस बल्लेबाज ने नाबाद 89 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। रोहित ने अंतिम एकादश में इस बल्लेबाज पंत की जगह भरने की बात की, हालांकि खिलाड़ियों के चयन के सवाल का उन्होंने जवाब नहीं दिया। जब रोहित से अंतिम ग्यारह के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, चयन कठिन होगा। सभी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हम हर मैच में जाते हुए स्थिति का आंकलन कर ही अंतिम ग्यारह का चयन होगा।

खिलाड़ी यह बात जानते हैं और हमने सीरीज से पहले इस पर चर्चा की है।

भारत की अंडर-20 महिला टीम का कैंप 10 फरवरी से चेन्नई में होगा शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)

भारत की अंडर-20 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम शुक्रवार से चेन्नई में अपना प्रशिक्षण शिविर फिर से शुरू करेगी।यंग टाइग्रेसेस, अपने सैफ अंडर-20 महिला चैम्पियनशिप अभियान से लौटने के बाद, चेन्नई में शिविर में वापस आ जाएंगी, क्योंकि वे अगले महीने होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारी कर रही हैं। भारत को क्वालिफायर के ग्रुप एफ में रखा गया है, जो वियतनाम में खेला जाएगा। मेजबानों के अलावा भारत को सिंगापुर और इंडोनेशिया से भी भिड़ना है।

28 सदस्यीय टीम इस प्रकार हैः-

- **गोलकीपरः** मोनालिसा देवी, अंशिका, अंजलि मुंडा और हेमप्रिया सेराम।
- **डिफेंडरः** पूर्णिमा कुमारी, काजल, शिल्की देवी, अस्तम उरांव, शुभांगी सिंह, वार्शिका, ग्लेडिस जोनुनसंगी और सनेहा।
- **फारवर्ड :** लिंडा कॉम सटरे, सुमति कुमारी, अनीता कुमारी, नेहा, सुनीता मुंडा, सोनाली सोरेन, अपर्णा नरजारी, रिम्पा हलदर और अमीषा बक्षला।

पेरिस ओलंपिक : नॉर्डिक देशों ने रूसी, बेलारूसी एथलीटों की भागीदारी का किया विरोध

नई दिल्ली। नॉर्डिक ओलंपिक समितियों और खेल परिसंघों ने संयुक्त रूप से पेरिस 2024 ओलंपिक गेम्स में रूसी और बेलारूसी एथलीटों की भागीदारी का विरोध किया है और कहा है कि अब उनकी वापसी पर विचार करने का समय नहीं है। सात नॉर्डिक देशों - डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, स्वीडन, नॉर्वे, ग्रीनलैंड, फरो आइलैंड्स, अलैंड के एक संयुक्त बयान में यूक्रेन में रूसी आक्रमण पर अपनी स्थिति दोहराई है। संयुक्त बयान में कहा गया, यूक्रेन में युद्ध के साथ स्थिति नहीं बदली है। इसलिए, हम अंतरराष्ट्रीय खेल भागीदारी में रूसी और बेलारूसी एथलीटों और अधिकारियों का विरोध कर रहे हैं। अब उनकी वापसी पर विचार करने का सही समय नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा इवेंट में प्रतिस्पर्धा करने के लिए रूसी और बेलारूसी एथलीटों को शामिल करने के बाद यूक्रेन ने पहले ही 2024 पेरिस ओलंपिक का बहिष्कार करने की धमकी दी है।

ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञों ने बीसीसीआई पर लगाये पिच से छेड़छाड़ के आरोप

आईसीसी से की शिकायत

सिडनी ।(एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के कुछ विशेषज्ञों ने नागपुर में गुरुवार से भारतीय टीम के साथ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर पिच से छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। इन विशेषज्ञों ने इस मामले की शिकायत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भी की है। इनका कहना है इस मामले में आईसीसी को हस्तक्षेप करना चाहिये। नागपुर के वीसीए स्टेडियम के पिच के कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर आई हैं। इनमें ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने पिच को करीब से देखने के बाद कहा कि विकेट काफी सूखा हुआ है। स्मिथ ने साथ ही कहा कि बाएं हाथ के स्पिनर्स को यहां ज्यादा सहायता मिल सकती है। इसी के बाद ऑस्ट्रेलिया में कुछ पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों ने आईसीसी से हस्तक्षेप करने को कहा है। एक रिपोर्ट के नागपुर की पिच के केवल बीच के हिस्से में पानी डाला गया और रोलिंग की गई। वहीं बाएं हाथ के गेंदबाज जिस क्षेत्र में गेंदबाजी करेंगे, उसे सूखा छोड़ा हुआ है। ऐसा कथित तौर पर विकेट के दोनों छोर पर किया गया है। इस मामले में बीसीसीआई पर आरोप है कि ऐसा उसने ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाजों को मुश्किल में डालने के लिए किया है। ऑस्ट्रेलिया के पास शीर्ष क्रम में डेविड वॉर्नर, उस्मान ख्वाजा और ट्रेविस हेड

जैसे बल्लेबाज हैं। ये सभी बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। ऑस्ट्रेलिया के एक क्रिकेट जानकार रॉबर्ट क्रेडॉक ने भारत की तैयारी को पिच डॉक्टरिंग करार दिया। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर साइमन ओ डनल ने कहा कि अगर आईसीसी को लगता है कि कुछ सही नहीं हो रहा है तो उसे हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा, आईसीसी को हस्तक्षेप करके कुछ करना चाहिए। इस मामले के बारे में उसे आईसीसी मैच रेफरी से बात करके सही बात पता करनी चाहिये।

पीसीबी ने स्पिनर आसिफ अफरीदी पर लगाया प्रतिबंध

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बाएं हाथ के युवा स्पिनर आसिफ अफरीदी पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है। आसिफ पर ये पाबंदी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के दो अलग-अलग उल्लंघनों के कारण लगायी गयी है। इसके साथ ही आसिफ को दो साल के लिए निलंबित भी कर दिया है। यह निलंबन इस खिलाड़ी के अस्थायी रूप से निलंबित होने की तारीख सितंबर 2022 से प्रभावी होगा। रिपोर्टों के अनुसार, अपराध 2022 के पाक कप में हुए थे जहां अफरीदी ने उपविजेता खैबर पख्तूनख्वा की ओर से भाग लिया था। वहीं पीसीबी के अध्यक्ष नजम सेठी ने इस घटना के बारे में कहा, पीसीबी को एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर को दो साल के लिए निलंबित करने में कोई खुशी नहीं मिलती है पर हमारा इस तरह के अपराधों के प्रति शून्य-सहिष्णुता का नियम है। खेल के शासी निकाय के रूप में, हमें उदाहरण बनाने की जरूरत है। ऐसे मामलों को मजबूती से संभालें और सभी क्रिकेटरों को कड़ा संदेश दें जिससे अनुशासन बना रहे। उन्होंने साथ ही कहा, यह सच है कि भ्रष्टाचार हमारे खेल के लिए खतरा है क्योंकि स्वार्थी भ्रष्टाचारी क्रिकेटरों को अलग-अलग तरीकों से अपनी ओर खींचते हैं। यही कारण है कि पीसीबी खिलाड़ी शिक्षा पर भारी निवेश कर रहा है जिससे वे इस प्रकार के लोगों से सतर्क रहें और पीसीबी की मदद कर सकें। इस मामले की सूचना देकर खिलाड़ी इस खतरे को खत्म करें पर जागरूकता पैदा करने के हमारे सभी बेहतरीन प्रयासों के बावजूद अगर कोई खिलाड़ी लालच का शिकार हो जाता है, तो पीसीबी की कोई सहानुभूति नहीं रहेगी। आसिफ ने अब तक पाक की राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेला है पर उन्हें 2022 में ऑस्ट्रेलिया के पाकिस्तान दौरे के लिए टी20आई और वनडे टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने मुल्तान सुल्तांस के साथ पीएसएल में भी भाग लिया है।

ये है दुनिया का सबसे डरावना और वीरान आइलैंड, कभी इस बीमारी से पीड़ितों को बिना इलाज के रखा जाता था यहां

कोढ़ रोग को हमारे समाज में हमेशा से ही हीन भावना से देखा जाता है। इस बीमारी को भगवान का शाप या दंड माना जाता रहा है। समाज में लोग कोल्ड रोगियों से हमेशा दूरी बना कर रहे हैं। सदियों से इस बीमारी से पीड़ित लोगों को समाज से अलग रखा गया है। भारत ही नहीं दुनिया के विदेशों में कुष्ठ रोगियों के लिए कई आश्रम चलते हैं। लेकिन यूरोप के ग्रीस और यूनान जैसे देशों ने अपने यहां के कुष्ठ रोगियों को आम लोगों से दूर रखने के लिए एक आईलैंड ही अलग कर दिया था।

इस आइलैंड का नाम स्पिनालॉन्गा आइलैंड है। ये यूनान के सबसे बड़े क्रीट द्वीप के पास स्थित है। ये भूमध्य सागर में मिराबेलो की खाड़ी के मुहाने पर मौजूद है। लेकिन आज इस आईलैंड पर कोई नहीं रहता और यह वीरान पड़ा है। यहां पर बेहद कम लोग ही जाते हैं। इस जगह की सबसे पहले वेनिस के राजा ने यहां पर सैनिक अड्डा बनाया था। इसके बाद तुर्की के ऑटोमान साम्राज्य ने इस पर कब्जा कर लिया। हालांकि, साल 1904 में क्रीट के लोगों ने तुर्कों को यहां से खदेड़ दिया। इसके बाद यह आइलैंड को कोढ़ के मरीजों का अड्डा बना दिया गया। साल 1975 में दुनिया को इस कोढ़ आश्रम के बारे में पता चला। इसके बाद यूनानी सरकार की बहुत आलोचना हुई।

जिसके बाद यहां के सभी लोगों को इलाज के लिए ले जाया गया और इस कुष्ठ रोगी आश्रम को बंद कर दिया गया। इसके बाद से स्पिनालॉनगा आइलैंड वीरान पड़ा है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस आईलैंड पर कोढ़ के मरीजों के इलाज का भी कोई इंतजाम नहीं था। इस द्वीप पर एक ही डॉक्टर आता था, वो भी तब जब किसी मरीज को कोई और बीमारी हो जाती थी। इंद्र को बनाने से पहले ही कुष्ठ रोग का इलाज खोज लिया गया था लेकिन यहां रहने वाले मरीजों का इलाज नहीं होता था।

चार धाम यात्रा के लिए आईआरसीटीसी ने पेश किया शानदार टूर पैकेज, यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

गर्मियों की छुट्टी में लो कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में कई लोगों को परिवार के साथ चार धाम की यात्रा करने की इच्छा होती है। ऐसे लोगों के लिए भारतीय रेलवे चारों धामों की यात्रा के लिए एक खास ऑफर लेकर आई है। बता दें कि यात्रियों के लिए पावन धाम की यात्रा के ऐसे पैकेज भारतीय रेलवे की तरफ से समय-समय पर उपलब्ध करवाए जाते हैं। आई जानते हैं आईआरसीटीसी के चार धाम टूर पैकेज के बारे में -

इतने दिनों का होगा टूर पैकेज

भारतीय रेलवे की ओर से यात्रियों को चार धाम की यात्रा के लिए एक स्पेशल टूर पैकेज दिया जा रहा है। आपको बता दें कि यह टूर पैकेज आजादी का अमृत महोत्सव और देखो अपना देश के तहत पेश किया गया है। इस पैकेज का नाम Char Dham Yatra E& Nagpur है। आईआरसीटीसी की ओर से जारी किया गया यह खास टूर पैकेज कुल 11 दिनों और 12 रातों का है। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट irctctourism.com पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

इस दिन से शुरू होगी यात्रा और इन जगहों के होंगे दर्शन

रेलवे द्वारा यह चार धाम यात्रा 14 मई 2022 को नागपुर से शुरू होगी। यहां से यात्रियों को हवाई यात्रा के जरिए दिल्ली लाया जाएगा। दिल्ली से हरिद्वार के लिए ट्रेन रवाना होगी। इस टूर पैकेज के तहत यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, गुप्तकाशी, बरकोट, जानकी चट्टी, सोनप्रयाग, उत्तरकाशी, आदि धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

यात्रा के दौरान यात्रियों को रेलवे की ओर बस और गाड़ी की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा प्रतिदिन नाश्ता और डिनर भी मिलेगा और ठहरने के लिए होटल की व्यवस्था भी करवाई जाएगी।

यात्रियों को देना होगा इतना शुल्क

अकेले यात्रा करने वाले यात्रियों को 77,600 रुपए देने होंगे। दो लोगों को इस रूप पैकेज के लिए 61,400 चुकाने होंगे। वहीं तीन लोगों को इस पैकेज के लिए 58,900 जमा करने होंगे। बता दें कि बच्चों का अलग से शुल्क पड़ेगा।

मेघालय राज्य की खूबसूरती देखेंगे तो बस देखते ही रह जायेंगे

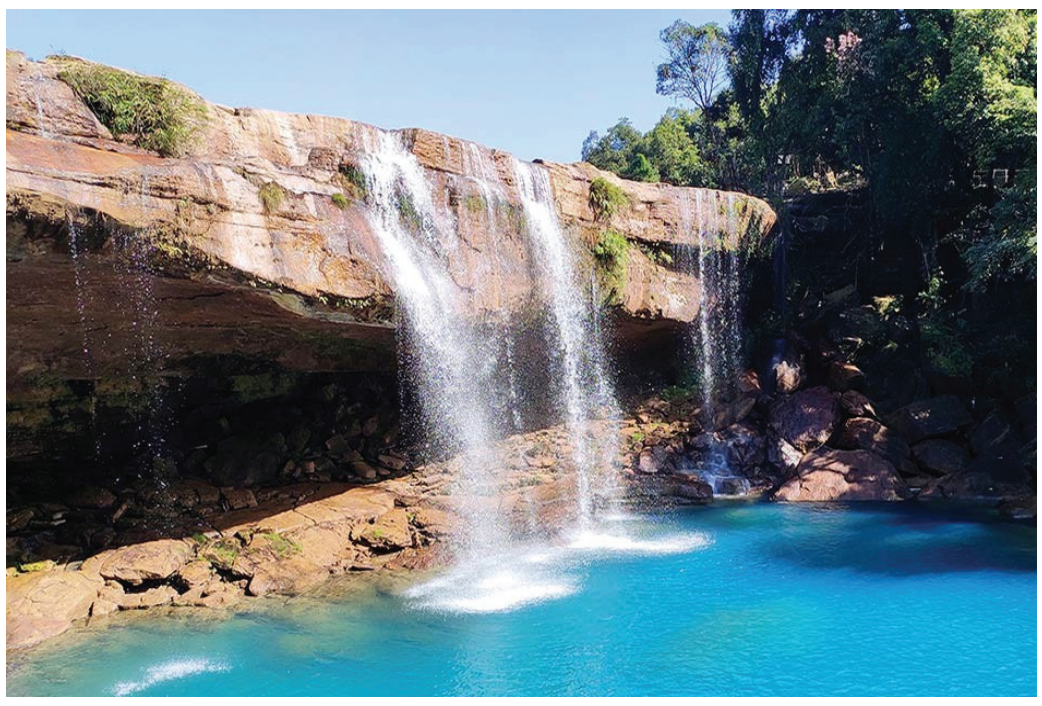

1972 में असम से अलग होकर भारत के इक्कीसवें राज्य के रूप में नक्शे पर उभरा, अद्भुत नैसर्गिक सुषमा का आलय- मेघालय यानि बादलों का घर। आकाश में बादलों के झुंड, धरती पर चंचल झरने, शांत झीलें और उनमें अपना प्रतिबिम्ब निहारती हरियाली, इन सबके बीच आपकी उपस्थिति आपको अवसर देगी कि आप अपने भाग्य पर गर्व कर सकें। यह राज्य गारो, खासी तथा जयन्तिया जैसी प्राचीन पहाड़ी जनजातियों का मूल निवास स्थान है। इन्हीं लोगों को भारत का प्राचीनतम निवासी माना जाता है।

ब्रिटिश राज के दौरान स्कॉटलैंड ऑफ ईस्ट कहा जाने वाला शहर शिलांग मेघालय की राजधानी है। खासी पहाड़ियों में, समुद्रतल से लगभग 1500 मी. की ऊंचाई पर बसे इस शहर का नाम एक जनजातीय देवता शुलांग के नाम पर पड़ा है। प्यार से मिनी लंदन पुकारे जाने वाले शहर के चप्पे-चप्पे पर अंग्रेजी प्रभाव के निशान खोजे जा सकते हैं।

शिलांग जैसे छोटे शहर में दर्शनीय स्थानों की सूची छोटी नहीं है। शहर के बीचों-बीच स्थित है वार्डलेक। 1893-94 में बनी यह झील पर्यटकों का ही नहीं स्थानीय लोगों का भी प्रिय स्थान है। खूबसूरत बगीचों की हरियाली और झील के बीच में बना लकड़ी का पुल इसकी विशेषता है। इस लकड़ी के पुल पर से आप झील की मछलियों को देख सकते हैं और चाहें तो उन्हें आटे की गोलियां भी खिलाएं। नि:संदेह बच्चों को यह काम बहुत अच्छा लगेगा। झील के पानी में उतरना चाहें तो नौकाविहार कर सकते हैं। खाने-पीने का अच्छा प्रबंध होना इस स्थान को सुविधाजनक भी बना देता है।

यदि आपकी दिलचस्पी पेड़-पोधों में है तो झील के पास स्थित बाटेनिकल गार्डन अवश्य जाएं। वनस्पति विज्ञान के छात्रों के लिए यह स्थान बहुत उपयोग साबित होगा। इसके पास ही स्थित डेलिमार वांगखा का तितलियों का सग्रंह भी देखें। दुनिया भर का तितलियों से संबधित जिज्ञासा यहां शांत की जा सकती है।

किताबों में रूचि हो और ज्ञान में वृद्धि चाहें तो विशेष रूप से प्राचीन जीवन शैली से जुड़ी जानकारियों चाहें तो स्टेट सैन्ट्रल लाइब्रेरी जाना उचित होगा। साथ ही आपको अपनी ओर खीचेंगे डांन बास्को तथा आंल सैन्ट चर्च। डांन बास्को चर्च की विशाल इमारत और अनूठा प्रार्थना कक्ष ही इसकी खासियत हैं।

1889 में बना भारत का तीसरा सबसे पुराना गोल्फ कोर्स भी शिलांग में ही है। चीड़ और देवदार के ऊंचे वृक्षों से घिरे इस स्थान की मखमली धास का मजा लेने के लिए आपका गोल्फ में रूचि रखना जरूरी नहीं। अक्सर सूर्यादय और सूर्यास्त के सुन्दर दृश्यों को नजरों में भरनो के लिए भी पर्यटक यहां आते हैं।

खासी जनजाति के मातृ-सत्तात्मक समाज की छाप देखें यहां के बड़ा बाजार में। इस बाजार को पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। यहां खरीददारी करें हस्तशिल्प की और बांस के बने सामान की। यहां के जीवन को और करीब से जानना हो तो पास ही स्थित पुलिस बाजार भी जाना चाहिए।

शिलांग से लगभग 2 किलोमीटर दूर है एलिफेन्टा फॉल (झरना)। हाथी के आकार के इस प्राकृतिक झरने की सौन्दर्य वृद्धि की है लकड़ी के छोटे-छोटे पुलों ने। इस झरने के नाम के कारण के बारे में लोगों में मतैक्य नहीं है। कुछ लोगों के अनुसार इस जगह के नाम का कारण, कभी यहां हाथियों का पानी पीने आना था जबकि दूसरों के अनुसार, इसका हाथी जैसा आकार। कुछ लोग इसके नामकरण की कथा सुनाते हैं कि किसी अंग्रेज अधिकारी का हाथी रास्ता भटक कर यहां पहुंच गया और यहीं उसकी मृत्यु हो गई तो यह नाम पड़ा। इसी खींच-तान के बीच एक अन्य कथा यह भी है कि यहां हाथी पानी पीने आते थे। किसी कारण वश यहां एक हाथी की मृत्यू के पश्चात हाथियों ने यहां आना बंद कर दिया। स्थानीय लोग इस मृत हाथी को देखने यहां पहुंचे, यही घटना इस स्थान के नामकरण का कारण है। इसी से यह स्थान लोकप्रिय भी हुआ।

शिलांग और उसके आसपास के क्षेत्र में कई और झरने भी है जैसे मारग्रेट फांल, बिशप फांल, स्वीट फांल आदि।

समुद्र की सतह से लगभग 1960 मी. ऊंचाई पर, शिलांग से करीब 10 किमी. दूर है शिलांग पीक। ऐसा विश्वास है कि जनजातीय देवता शुलांग यहीं निवास करते हैं। यहां के खुले वातावरण और ऊंचाई को ध्यान में रखकर कुछ गर्म कपड़े ले जाना गलत नहीं होगा।

उमियाम झील, गुवाहाटी से शिलांग के बीच का सबसे सुन्दर पड़ाव है। यह स्थान शिलांग से लगभग 17 किमी. दूर है। बड़ा पानी के नाम से प्रसिद्ध यह झील एक बांध के निर्माण के फलस्वरूप अस्तित्व में आई थी। इस झील के पास बने नेहरू उद्यान को भी देखें। यह झील पानी के खेलों के लिए प्रसिद्ध है।

1897 के भयानक भूकंप से धरती पर तराशे गए दर्रे के लिए विख्यात है माफलोग। यहां प्रकृति की सुन्दरता ने भूकंप की भयावहता को ढक दिया है। शिलांग से लगभग 64 किमी दूर है जरकेम। यहां गधंक के झरने हैं। ऐसा विश्वास है कि झरनों के पानी से अनेक बीमारियों का निदान संभव है।

मेघालय की अन्य दो पहाड़ियां हैं गारो और जयन्तिया। गारो पहाड़ियों को जाना जाता है वनस्पतिक और वन्य जीवन की विविधता के लिए। यहां राष्ट्रीय वन्य जीवन उद्यान तथा नाफक झील भी देखें। यहां सिजु गुफाओं में चूने पत्थर की बनी आकृतियों को देखा जा सकता है।

हिलौरे लेती मिन्तदू नदी से घिरी जयन्तिया पहाड़ी शिलांग से लगभग 64 किमी. दूर हैं। जोवाई, जयन्तिया जनजाति का मुख्यालय भी यहीं है। यहां सिन्दाल गांव में अनेक गुफाओं की सैर की जा सकती है की। जयन्तियां राजा तथा विदेशी आक्रमणकारियों के बीच युद्ध के दौरान कभी इनका प्रयोग छिपने के स्थान के रूप में होता था।

लगभग 1300 मी की ऊंचाई पर, शिलांग से 56 किमी. दूर स्थित है चेरापूंजी। एक लंबे समय, इस क्षेत्र को विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाले क्षेत्र के रूप में जाना जाता रहा है। यहां रोमांच लें विश्व के चौथे सबसे ऊंचे झरने नहिकालीफाई को देखने का। इसी प्रकार मांसमाई और लम लाबाध की रहस्यमयी गुफाओं की सैर भी यादगार साबित होगी।

वर्तमान में सर्वाधिक वर्षा तथा लगभग निरन्तर बने रहने वाले इन्द्रधनुषों की भूमि मांसेनरम, चेरापूंजी के पास ही है। वर्षा ऋतु में लगभग अगम्य बन जाने वाला यह स्थान अपने चूने पत्थर के बने विशाल शिवलिंग के लिए खासा लोकप्रिय है। यहां भयावह ऊंचाई लिए बेहत खूबसूरत झरने भी आपको भाएंगे।

जून-जुलाई का समय मेघालय में उत्सवों का समय है। 4 दिनों तक चलने वाला किसानों का उत्सव है वेटडीनक्लामू। इसमें पारम्परिक नृत्य संगीत के साथ-साथ बैलों की लड़ाई का मजा लें। स्थानीय देवता यू शिलांग और पूर्वजों के सम्मान में आयोजित होने वाले नौंग क्रेम नृत्य उत्सव में शामिल होना नहीं भूलें।

अधिक वर्षा वाले दिनों को छोड़ हर मौसम में यहां आया जा सकता है। यहां का जाड़ा कुछ अधिक ठंडा और गर्मियां सुहावनी होती हैं। निश्चय ही यह छोटा-सा राज्य गर्मी से बड़ी राहत दिला सकता है।

ये हैं अजमेर में घूमने की खूबसूरत जगहें, इन्हें नहीं देखा तो अधूरी है आपकी यात्रा

राजस्थान में अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ अजमेर शहर एक बहुत लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। यह शहर सूफी संत मोइउद्दिन चिश्ती की दरगाह के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर शहर को पहले 'अजयमेरु' के नाम से जाना जाता था। यह शहर अपनी विशिष्ट वास्तुकला और संस्कृति के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर में कई प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं जो देश-विदेश में बहुत प्रसिद्ध हैं। इस शहर में आपको पारंपरिक राजस्थानी रंग-ढंग देखने को मिलते हैं। आज के इस लेख में हम आपको अजमेर शहर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं -

अजमेर शरीफ़

अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह यहाँ के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। इस दरगाह में हर धर्म-जाति के लोग मत्था टेकने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि मुगल बादशाह अकबर आगरा से 437 किमी। पैदल चलकर ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर बेटा होने की दुआ माँगने आए थे। आज के समय में देश-विदेश से लोग दरगाह पर आकर मन्नत मांगते हैं और मन्नत पुअर होने के बाद चादर चढ़ाते हैं।

आना सागर झील

अजमेर में आप आना सागर झील देख सकते हैं। यह एक बेहद खूबसूरत कृत्रिम झील है जो यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस झील का निर्माण पृथ्वीराज चौहान के पिता आणाजी चौहान ने करवाया था। आणाजी से नाम पर ही इस झील का नाम आना सागर पड़ा। इस झील के आसपास की जगह भी बेहद खूबसूरत है। यहाँ का दौलत बाग देखने में बहुत खूबसूरत है, जिसका निर्माण जहांगीर ने करवाया था। इस झील में आप नौका विहार का आनंद ले सकते हैं।

पुष्कर सरोवर

अजमेर स्थित पुष्कर झील देशभर में बहुत मशहूर है। यह सरोवर हिन्दू धर्म के लोगों के लिए आस्था का एक बड़ा केंद्र है। भारत के पांच पवित्र सरोवरों में पुष्कर झील भी शामिल है। कुछ विशेष अवसरों पर यहां श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आते हैं। अजमेर आए पर्यटक पुष्कर सरोवर घूमने जरूर आते हैं। यहां आप ऊंट सवारी का आनंद ले सकते हैं।

अढ़ाई दिन का झोपड़ा

अजमेर में स्थित अढ़ाई दिन का झोपड़ा एक ऐतिहासिक मस्जिद है। इस मस्जिद का निर्माण 1192 में मोहम्मद ग़ोरी के निर्देश पर कुतुब-उद-दीन ऐबक द्वारा करवाया गया था। इस मस्जिद में ढ़ाई दिन का उत्सव चलता है जिसकी वजह से इस मस्जिद को यह नाम दिया गया है। इस मस्जिद के निर्माण में खूबसूरत वास्तुकला का इस्तेमाल देखने को मिलता है। दूर-दूर से लोग इस मस्जिद में मत्था टेकने आते हैं।

तारागढ़ किला

तारागढ़ किला, अजमेर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। इस किले का निर्माण सन 1354 में किया गया था और यह राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध प्राचीन संरचनाओं में से एक है। यह किला पर्यटकों के लिए राजस्थानी वास्तुकला का एक शानदार और उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है।

सोनी जी की नसियां

अजमेर में स्थित सोनी जी की नसियां एक प्रसिद्ध जैन मंदिर हैं। इसे लाल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर जैन धर्म के पहले तीर्थकर को समर्पित हैं। सोनी जी की नसियां मंदिर का मुख्य आकर्षण इसका मुख्य कक्ष है, जिसे स्वर्ण नगरी या सोने के शहर के नाम से भी जाना जाता हैं। इस मंदिर में जाएं धर्म से जुड़ी सोने की लकड़ी की कई आकृतियां बनी हुई हैं। यह मंदिर पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है और दूर-दूर से लोग इस मंदिर को देखने आते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाक में सिख परिवार से मारपीट, पगड़ी फाड़कर जमीन पर फेंकी

–श्री ननकाना साहिब में मुस्लिम हमलावरों ने एक सिख परिवार पर बोला हमला

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हमले व भेदभाव के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला श्री ननकाना साहिब में सामने आया है जहां मुस्लिम हमलावरों ने एक सिख परिवार पर हमला किया, उन्हें पीटा और उनकी पगड़ी भी जमीन पर फेंक दी। घटना 21 जनवरी की बताई जा रही है। ननकाना साहिब के मुसलमानों के एक समूह ने पट्टी साहिब गुरुद्वारे के पास उनके पड़ोसी सिख परिवार पर हमला किया। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की इस चौंकाने वाली घटना ने बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल सिख परिवार ने उन हमलावरों में से एक मुस्लिम शख्स पर आपत्ति जताई थी, क्योंकि वो उनके घर के सामने अपनी गाड़ी खड़ी कर रहा था, इससे सिख परिवार के घर का गेट अटक रहा था। इसी विवाद के चलते रमजान गोगी, आसिफ नन्रा, खोर शाही, सलमान, इकबाल, अनवर, सैदी बीबी और जुबादा जैदी ने सिख परिवार पर हमला कर दिया। हरवंदर सिंह और सतिंदर सिंह को बुरी तरह पीटा और उनकी पगड़ी फाड़कर फेंक दी। ननकाना साहिब सिख समुदाय के निरंतर प्रयासों के बाद पुलिस द्वारा अनिच्छा से सांप्रदायिक धारा 452, 354, 148 और 149 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और अपराधी खुले घूम रहे हैं और सिखों को डरा-धमका रहे हैं। इस हमले को लेकर 5 फरवरी को ननकाना साहिब सिख समुदाय ने मामले में पुलिस की निष्क्रियता पर विरोध जताया। एक वीडियो बयान में गुरुद्वारा जन्मस्थान में अन्य सिखों के साथ खड़े हरवंदर सिंह ने पाक पीएम, पाक सेना प्रमुख और पंजाब के सीएम से दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की अपील की। सिख समुदाय ने दावा किया कि आरोपियों को गिरफ्तार करने के बजाय ननकाना साहिब पुलिस इस मामले को दबाने का प्रयास कर रही है।

किम जोंग उन और उनकी बेटी ने उत्तर कोरिया की सेना की सराहना की

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश की सेना के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपनी बेटी के साथ सैन्य प्रतिष्ठानों का दौरा किया और परमाणु हथियारों से सक्षम अपनी सेना की ''अदम्य ताकत'' की सराहना की। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। उन ने यह दौरा इन संकेतों के बीच किया है कि उत्तर कोरिया देश की राजधानी प्योंगयांग में एक बड़ी सैन्य परेड की तैयारी कर रहा है। इस परेड में वह अपने बढ़ते परमाणु हथियार कार्यक्रम के नवीनतम उपकरणों को प्रदर्शित कर सकता है। इस परमाणु कार्यक्रम ने उत्तर कोरिया के पड़ोसियों और अमेरिका की चिंता बढ़ा दी है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने कहा कि किम ने 'कोरियन पीपल्स आर्मी' के जनरल ऑफिसर रैंक के अधिकारियों के आवासीय

परिसरों का अपनी बेटी किम जु ऐ के साथ दौरा किया। उन्होंने बाद में एक भोज के दौरान अपने सैनिकों का हौसला बढ़ाने वाला भाषण दिया और बाहरी कठिनाइयों के बावजूद ''दुनिया की सबसे मजबूत सेना'' बने रहने के लिए उनकी प्रशंसा की। इससे एक दिन पहले किम ने सेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बैठक की थी और युद्ध संबंधी तत्परता से जुड़े अभ्यासों को विस्तार देने का आह्वान किया था। सरकारी मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में भोज के दौरान सैन्य अधिकारियों को देखा जा सकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह भोज प्योंगयांग के यांग्गाकदो होटल मेंआयोजित किया गया था। इस मौके पर किम और उनकी बेटी ने काला सूट और सफेद कमीज पहन रखी थी। बताया जाता है कि किम की बेटी की आयु नौ से 10 साल है। इस मौके पर किम की पत्नी री सोल जु भी उनके साथ थीं। सार्वजनिक तौर पर चौथी बार सबके सामने आई किम जु ऐ अपने पिता के पास खड़ी रहीं और उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से हाथ मिलाया।

सिंगापुर पुलिस विभाग में चोरी की कोशिश करने को लेकर भारतीय विद्युत तकनीशनों पर लगाया गया जुर्माना

सिंगापुर। सिंगापुर के पुलिस विभाग में अपने निर्धारित कार्यस्थल पर बिजली के तार की चोरी का प्रयास करने पर भारतीय मूल के तीन तकनीशियनों पर जुर्माना लगाया गया जबकि एक अन्य व्यक्ति की काम के दौरान करंट लगने से मौत हो गयी। सन् 2020 के इस मामले में बिजली का काम करते हुए मुरूगन कोथालम (27) की करंट लगने से मौत हो गयी थी। तकनीशियनों-- एझिलारसन नागराजन (26) और राधाकृष्णन इलावरसन (28) पर 1000 (सिंगापुरी) डॉलर का जुर्माना लगाया गया जबकि बालासुब्रमण्यम निवास (29) पर 1500 डॉलर का जुर्माना लगाया। इन तीनों ने चोरी की कोशिश करने का गुनाह कुबूल कर लिया है। उप सरकारी अभियोजक वी जेसूदेवन ने अदालत से कहा कि ऑलटेक सिस्टम्स कंपनी की ओर से इलावरसन और निवास 15 अक्टूबर, 2020 को पूर्वाह्न करीब साढ़े दस बजे पुलिस नेशनल सर्विस डिपार्टमेंट भवन में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि इन दोनों को उनके सुपरवाइजर ने हॉज रील बॉक्स (तार का बंडल बॉक्स) निकालने में काम आने वाला एक औजार अन्य किन्हीं दो व्यक्तियों को देने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि निवास और इलावरसन ने खुले तार काटकर बेचने की साजिश रची थी।

हम बचाव और राहत कार्यों में हैं व्यस्त, आने की जरूरत नहीं, पाक क्रू शहबाज शरीफ को रद्द करना पड़ा अपना तुर्की दौरा

इस्लामाबाद । शून्य से नीचे तापमान और बर्फीले तूफान के बीच तुर्की और सीरिया में ऐसा भूचाल आया जिसने दुनिया को डरा दिया। एक के बाद एक पांच भूकंप के झटकों ने सबकुछ खत्म कर दिया। हजारों लोगों की मौत हो गई। भूकंप के झटकों से तुर्की और सीरिया का जर्रा-जर्रा कांप उठा। इस बीच भारत ने तुर्की की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। दुख की इस घड़ी में तुर्की और सीरिया का कट्टर दुश्मन इजरायल भी आगे आया। वहीं तंगहाली झेल रहे पाकिस्तान ने भी तुर्की की मदद की पेशकश की है। लेकिन तुर्की ने पाकिस्तान को लताड़ लगाई है। सीएनएन न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक तुर्की ने पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए कहा कि हमारे यहां आने की जरूरत नहीं है। हम बचाव और राहत कार्यों में व्यस्त हैं। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की 8 फरवरी को होने वाली अंकारा यात्रा विनाशकारी भूकंप के बाद तुर्किये में चल रहे राहत और बचाव

कार्यों के कारण अंतिम क्षण में स्थगित कर दी गई थी। एक्सप्रेस न्यूज ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री को सुबह तुर्की के लिए रवाना होना था, लेकिन पुनर्वास प्रयासों से संबंधित तुर्की नेतृत्व की व्यस्तताओं के कारण यात्रा स्थगित कर दी गई है। सूत्रों ने कहा कि पीएम शहबाज प्रभावित इलाकों का दौरा नहीं कर पाएंगे क्योंकि खराब मौसम के दौरान हेलीकॉप्टर नहीं उड़ सकता था, जबकि तुर्की के राष्ट्रपति और उपाध्यक्ष भी राहत गतिविधियों में लगे हुए हैं। पाकिस्तानी पीएम की यात्रा के पुनर्निर्धारित होने की उम्मीद है और नई तारीखों की घोषणा बाद में की जाएगी। संघीय सूचना मंत्री मरियम औरंगज़ेब ने पहले घोषणा की थी कि प्रधा मंत्री तुर्की के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने और भूकंप के कारण हुई मौतों पर तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए अंकारा की यात्रा करेंगे। सूचना मंत्री ने कहा था कि नौ फरवरी को प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय कांफ्रेंस (एपीसी) स्थगित कर दी जाएगी और सहयोगी दलों के परामर्श से नई तारीख की घोषणा की जाएगी।

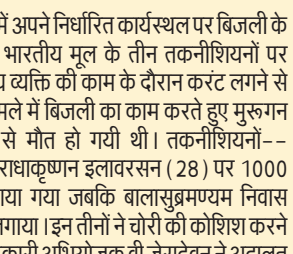

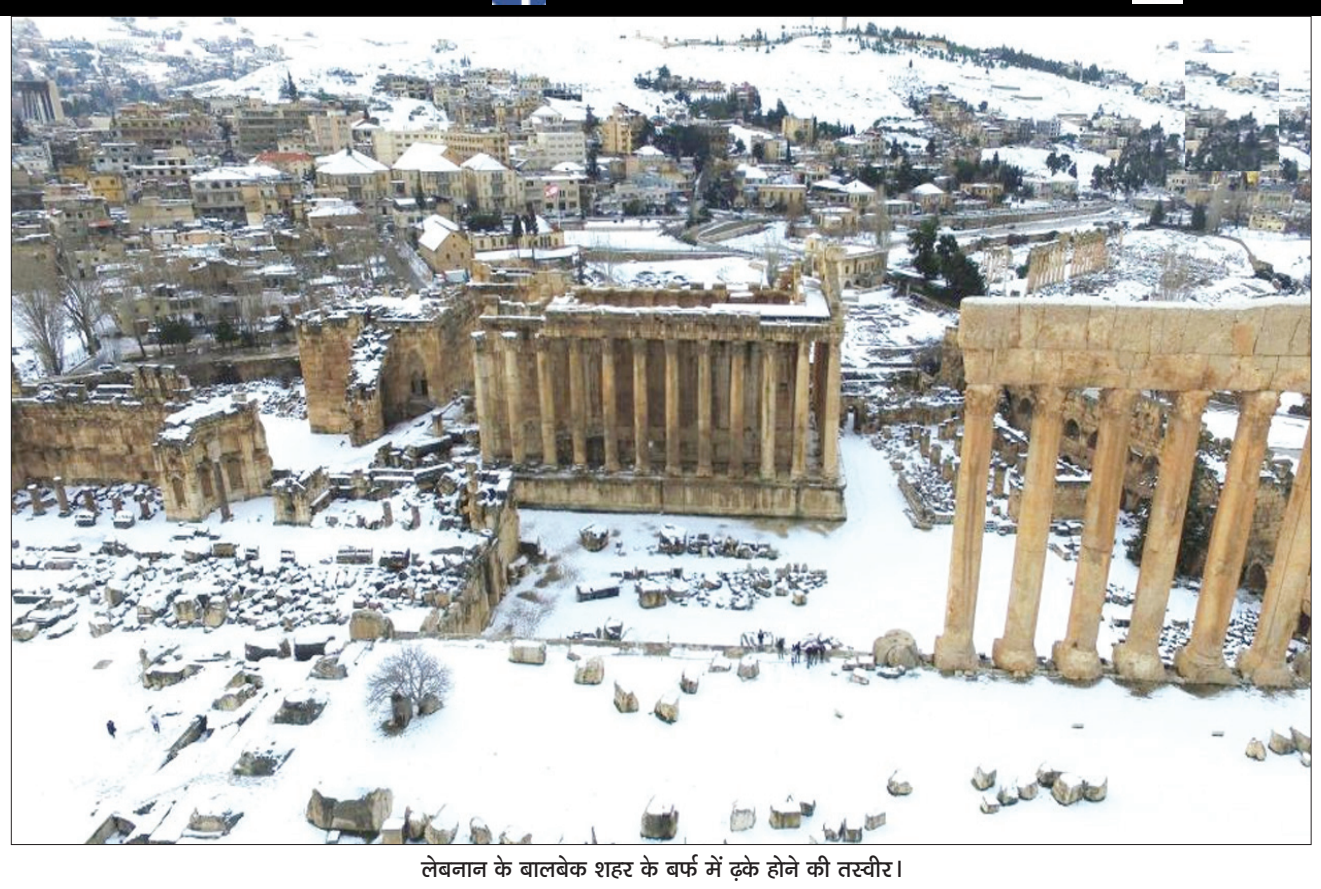

लेबनान के बालबेक शहर के बर्फ में ढ़के होने की तस्वीर।

तुर्कये और सीरिया में मरने वालों की संख्या 9000 के पार

गंजियातेप। दक्षिणी तुर्कये और उत्तरी सीरिया में भूकंप से मरने वालों की संख्या 9,400 से अधिक हो गई है। मृतकों की संख्या बढ़ने के साथ ही यह एक दशक से अधिक समय में सबसे घातक भूकंपीय घटना बन गई है। तुर्किये के अधिकारियों ने बुधवार को देश में भूकंप से जान गंवाने वालों की संख्या को अद्यतन करते हुए 6,957 किया। पड़ोसी सीरिया में, सरकार ने अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में सोमवार को भोर से पहले आए भूकंप से 1,250 लोगों के मरने की सूचना दी है। स्वंयसेवी संस्था 'द व्हाइट हेल्मेट्स' ने 1,280 मौतों की सूचना दी है। भूकंप व संबंधित घटनाओं में 30,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों को आशंका है कि मरने वालों की संख्या में वृद्धि होगी क्योंकि बचावकर्मी शहरों और कस्बों में मलबे से बचे लोगों को निकालने की कोशिश में जुटे हैं। जापान के पूर्वोत्तर तट पर 2011 में 9.0 की तीव्रता वाले भूकंप से सुनामी आई जिसमें लगभग 20,000 लोग मारे गए थे। नेपाल में 2015 में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप में 8,800 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

चीन ने संप्रभुता के लिए खतरा उत्पन्न किया तो करेंगे कड़ी कार्रवाई: जो बाइडेन

–संदिग्ध जासूसी गुब्बारे को लेकर अमेरिका व चीन के बीच बढ़ा तनाव

वाशिंगटन (एजेंसी)। संदिग्ध जासूसी गुब्बारे को लेकर चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अमेरिका की संप्रभुता के लिए चीन खतरा उत्पन्न करता है तो आत्मरक्षा में कदम उठाए जाएंगे। बाइडन ने मंगलवार रात अपने 'स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में कहा कि मैं चीन के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं, जहां वह अमेरिकी हितों को आगे बढ़ा सकता है और दुनिया को फायदा पहुंचा सकता है। हालांकि, कोई संदेह न रखें, हमने पिछले सप्ताह ही स्पष्ट कर दिया था कि अगर चीन हमारी संप्रभुता के लिए खतरे उत्पन्न करता है, तो हम अपने देश की रक्षा के लिए कार्रवाई करेंगे।

अमेरिकी सेना ने पिछले हफ्ते अटलांटिक महासागर के ऊपर संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे को गिरा दिया है। इस कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए चीन ने मंगलवार को कहा कि वह इस मामले में दृढ़ता से अपने वैध अधिकारों और हितों की रक्षा करेगा। अमेरिका ने चीन पर अमेरिकी संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। बाइडेन का इस बार का बयान एकता के इर्द-गिर्द घूमता रहा। उन्होंने कहा कि उनके दो साल के प्रशासन में निरंकुशता कम हुई है। वार्षिक संबोधन के दौरान इस बार नजारा पिछले दो साल से अलग रहा, क्योंकि मध्यावधि चुनाव में प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन ने बहुमत हासिल कर लिया है।

राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि अमेरिका जलवायु और वैश्विक स्वास्थ्य से लेकर खाद्य असुरक्षा, आतंकवाद और क्षेत्रीय आक्रामकता तक तमाम चुनौतियों का सामना करने के लिए फिर से दुनिया को एकजुट कर रहा है। उन्होंने कहा कि सहयोगी बढ़ रहे हैं, अधिक कार्रवाई कर रहे हैं। प्रशांत और अटलांटिक में भागीदारों के बीच सेतु कायम हो रहे हैं। अमेरिका के खिलाफ जाने वाले लोगों को पता चल रहा है कि वे कितने गलत हैं। अमेरिका के खिलाफ जाना कभी सही नहीं होता। बाइडेन ने अपने भाषण में कई बार चीन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनके राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने से पहले कहानी यह थी कि कैसे चीन अपनी ताकत बढ़ा रहा है और अमेरिका दुनिया में पिछड़ रहा है। बाइडन ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा कि अब ऐसा नहीं है। मैंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग को स्पष्ट किया है कि हम प्रतिस्पर्धा चाहते हैं, संघर्ष नहीं।

उन्होंने कहा कि मुझे कोई खेद नहीं है कि हम अमेरिका को मजबूत बनाने के लिए निवेश कर रहे हैं। अमेरिकी नवाचार, उद्योगों में निवेश भविष्य को परिभाषित करेंगे और जहां चीन की सरकार हावी होना चाहती है। हमारी उन्नत प्रौद्योगिकियों की रक्षा के लिए हमारे गठबंधनों में निवेश कर रहे हैं और हमारे सहयोगियों के साथ काम कर रहे हैं, ताकि उनका इस्तेमाल हमारे खिलाफ न हो पाए। उन्होंने कहा कि स्थिरता की रक्षा करने और आक्रामकता को रोकने के लिए हमारी सेना का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। आज हम चीन या दुनिया में किसी और के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए पिछले कई दशकों के मुकाबले काफी मजबूत स्थिति में हैं।

भारत और जापान सहित कई देशों में दिखाई दिए चीन के जासूसी गुब्बारे

–अमेरिका ने सहयोगियों को इसबारे में जानकारी दी

वाशिंगटन (एजेंसी)। चीन ने भारत और जापान सहित कई देशों को निशाना बनने जासूसी गुब्बारों के एक बेड़े को संचालित किया है। रिपोर्ट में दावा किया है। यह रिपोर्ट उस समय में आई है, जब कुछ ही दिन पूर्व अमेरिकी सेना ने अमेरिका के संवेदनशील प्रतिष्ठानों के ऊपर मंडरा रहे एक चीनी निगरानी गुब्बारे को नष्ट किया था। अमेरिकी अधिकारियों ने भारत सहित अपने मित्रों एवं सहयोगियों को चीनी गुब्बारे संबंधी जानकारी से अवगत कराया है। गुब्बारे को अटलांटिक महासागर के ऊपर साउथ कैरोलाइना के तट पर एक लड़ाकू विमान ने नष्ट किया था। अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन ने करीब 40 दूतावासों के अधिकारियों को इस बारे में जानकारी दी।

रिपोर्ट को कहा कि गुब्बारे से निगरानी के प्रयास के तहत जापान, भारत, वियतनाम, ताइवान और फिलीपींस सहित कई देशों और चीन के लिए उभरते रणनीतिक हित वाले क्षेत्रों में सैन्य संपत्तियों संबंधी जानकारी एकत्र की गई है। यह रिपोर्ट कई अनाम रक्षा एवं खुफिया अधिकारियों से साक्षात्कार पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने कहा है कि चीन की पीएलए (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) वायु सेना द्वारा संचालित इन निगरानी यान को पांच महाद्वीपों में देखा गया है।

वरिष्ठ रक्षा अधिकारी के हवाले से बताया गया हैं,कि ये गुब्बारे पीआरसी (चीनी जनवादी गणराज्य) के गुब्बारों के बेड़े का हिस्सा हैं, जिन्हें निगरानी अभियान चलाने के लिए विकसित किया गया है और इन्होंने अन्य देशों की संप्रभुता का उल्लंघन किया है। हाल के वर्षों में हवाई, फ्लोरिडा, टेक्सास और गुआम में कम से कम 4 गुब्बारे दिखाई दिए और इसके अलावा पिछले सप्ताह एक गुब्बारा देखा गया। इन चार में से तीन घटनाएं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान हुईं, लेकिन चीनी निगरानी यान के रूप में इनकी पहचान हाल में हुई।

'क्वाड ने शुरू की साइबर सुरक्षा में सुधार के लिए जन अभियान

–इंटरनेट उपयोगकर्ता साइबर अपराध व अन्य साइबर खतरों के निशाने पर

वाशिंगटन (एजेंसी) । भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) समूह ने इन चार राष्ट्रों में साइबर सुरक्षा में सुधार के लिए एक जन अभियान शुरू करने की घोषणा की है। व्हाइट हाउस के अनुसार 'क्वाड साइबर चुनौती अभियान के तहत चीन के खिलाफ हिंद-प्रशांत और अन्य स्थानों से इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को इसमें शामिल होने और सुरक्षित व जिम्मेदाराना तरीके से साइबर दुनिया का इस्तेमाल करने के लिए आमंत्रित किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह पहल लोगों के बीच साइबर सुरक्षा को लेकर जागरुकता बढ़ाने के साथ-साथ अर्थव्यवस्थाओं और उपयोगकर्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए एक अधिक सुरक्षित व लचीले साइबर पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के 'क्वाड के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि हम अपने देशों में साइबर सुरक्षा को बढ़ाने के लिए 'क्वाड भागीदारों के साथ साइबर चुनौती पहल के वास्ते साथ आए हैं। साथ मिलकर हम लोगों और कंपनियों से खुद को और अपने उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए आसान कदम उठाने को कह रहे हैं। दुनिया भर में इंटरनेट उपयोगकर्ता साइबर अपराध और अन्य साइबर खतरों के निशाने पर हैं, जिससे हर साल खरबों डॉलर का नुकसान होता है और संवेदनशील एवं निजी जानकारी को भी खतरा है।

भारत, द कोरिया, पाकिस्तान और अमेरिका ने भेजी आपात सहायता, रेस्क्यू जारी बढ़ सकता है मौत का आंकड़ा

दमिश्क (एजेंसी)। तुर्की के दक्षिण-पूर्वी प्रांत कहमनमारस में केंद्रित भूकंप ने सीरिया की राजधानी दमिश्क और लेबनान की राजधानी बेरूत के निवासियों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया है। सीरिया में डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के मिशन प्रमुख सेबस्टियन गे ने कहा कि उत्तरी सीरिया में चिकित्सा कर्मी जी जान से जुटे हैं, जो बढ़ी संख्या में आए घायलों के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। तुर्की के हते प्रांत में हजारों लोगों ने खेल केंद्रों या मेला हॉल में आश्रय लिया, जबकि अन्य लोगों ने बाहर रात बिताई और भीषण सर्दी में अलाव का सहारा लिया।

इस्केंदरून बंदरगाह के एक इलाके से काला-घना धुआं उठ रहा है, जहां दमकल कर्मी अब तक आग बुझाने में सफल नहीं हुए हैं। यह आग भूकंप के कारण पलटे मालवाहक कंटेनर (शिपिंग कंटेनर) में लगी थी। बचावकर्मी मंगलवार को भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। कम तापमान और भूकंप के बाद के करीब 200 झटके महसूस किए जाने के कारण बचाव कर्मियों को काफी आपरेशन जारी रखने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मदद की नवीनतम प्रतिद्धता के तहत दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओल ने कहा कि वह 60 सदस्यीय बचाव दल के साथ-साथ चिकित्सा सामग्री और 50 सैनिकों को तेजी से भेजने की तैयारी में हैं। पाकिस्तान की सरकार ने मंगलवार तड़के राहत सामग्री और 50 सदस्यीय खोज और बचाव दल को एक विमान से तुर्की भेजा। पाकिस्तान ने कहा कि सीरिया और तुर्की के लिए बुधवार से दैनिक सहायता उड़ानें होंगी।

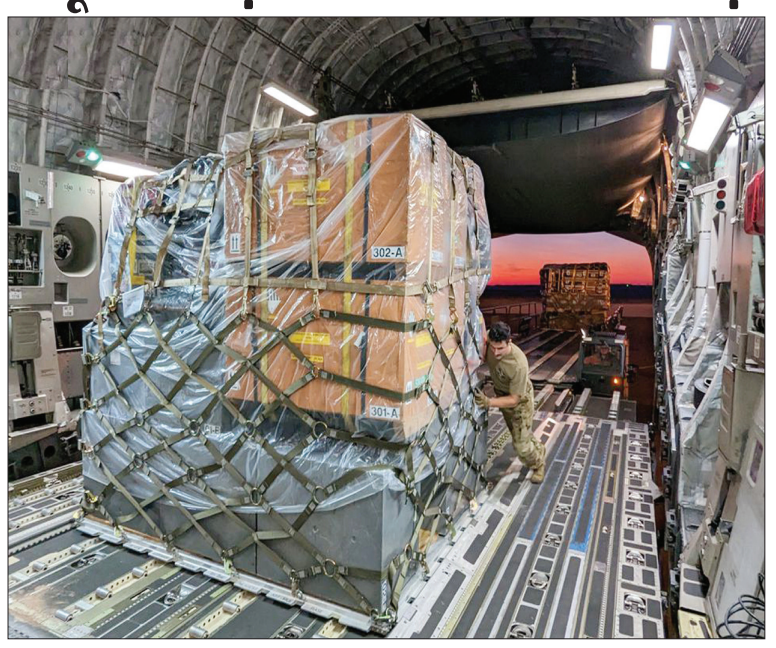

भारत ने कहा कि वह विशेष रूप से श्वान दस्तों और चिकित्सा कर्मियों सहित दो खोज और बचाव दल भेजेगा। इस्लामाबाद के एक बयान के मुताबिक, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपनी संवेदना और एकजुटता व्यक्त करने के लिए बुधवार को अंकारा की यात्रा करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने नाटो सहयोगी तुर्की के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने और सहायता की पेशकश करने के लिए एर्दोआन से फोन पर बातचीत की।

अमेरिका के राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस ने कहा कि वह तुर्की के प्रयासों में मदद के लिए खोज और बचाव दल भेज रहा है। सीरियाई शहर अलेप्पो और तुर्की के दियारबाकिर शहर के बीच के 330 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैले इलाके में हजारों इमारतों के ध्वस्त होने की खबर है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने सोमवार को आए भूकंप की तीव्रता 7.8 मापी जिसका केंद्र जमीन के नीचे 18 किलोमीटर था। शायद पहले भूकंप के कारण दूसरा भूकंप 100 किलोमीटर दूर आया जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.5 थी।

कश्मीर के विशेष दर्जे को बहाल करें, तब होगी भारत से बात: पूर्व प्रधानमंत्री इमरान

–पीएम मोदी के सामने रखी शर्त

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि भारत के साथ संबंध तभी आगे बढ़ सकते हैं, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कश्मीर के विशेष दर्जे को बहाल करें। दरअसल भारतीय संसद ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को 2019 में रद्द कर राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों-जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख में विभाजित कर दिया था। इमरान ने विदेशी मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, भारत ने कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया है।

उन्होंने कहा कि अब भारत के साथ वार्ता तभी होगी, जब पीएम मोदी (के नेतृत्व वाला) प्रशासन इस (विशेष दर्जे को) बहाल करे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के नेता ने कानून के शासन संबंधी एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, ''यदि कानून का शासन नहीं हो, तब पाकिस्तान का कोई भविष्य नहीं होगा। उदाहरण के लिए भारत को लीजिए। उसने कानून के शासन के कारण प्रगति की। खान ने पाकिस्तान के पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में चुनावों में देरी की पीएमएल (एन) (पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज) नीत सत्तारूढ़ गठबंधन की ''साजिश को नाकाम करने और ''संविधान की रक्षा के लिए न्यायपालिका से आस लगाए हुए हैं।

इमरान को पीएमएलएन ने अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान के जरिए सत्ता से बेदखल किया था। पूर्व पीएम खान ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ गठबंधन ने सैन्य प्रतिष्ठान में अपने आकाओं के समर्थन से उन्हें राजनीति से निकालने के लिए साजिश रची। पूछने पर कि क्या सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर भी इस प्रकार के प्रयासों में शामिल थे, उन्होंने कहा, वह दो महीने से कार्यालय में नहीं हैं, और मैं उन्हें संदेह का लाभ देता हूं। इमरान ने आरोप लगाया कि 3 बार पीएम रहे नवाज शरीफ उन्हें अयोग्य घोषित कराना चाहते हैं।

खान ने नवाज शरीफ पर पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के सेवा विस्तार पर संसद में मतदान के दौरान बाजवा के साथ सौदा करने का भी आरोप लगाया। इमरान खान ने कहा कि उन्हें यह समझ नहीं आता कि सैन्य प्रतिष्ठान ''शरीफ और जरदारी जैसे भ्रष्ट अपराधियों का पक्ष कैसे ले सकता है। उन्होंने कहा,

''पाकिस्तानी सेना और लोगों के बीच एक स्पष्ट खाई है। वे इस देश को लूटने वालों को सेना के समर्थन देने से नाराज हैं। मैं आपको बता दूं कि यह देश के लिए बहुत खतरनाक है।

फास्टैग' प्रणाली की मदद से पुलिस ने पकड़े 6 आरोपी

ठाणे । मुंबई पुलिस ने मुंबई-पुणे राजमार्ग पर हुई 2.17 लाख की लूट के मामले को 'फास्टैग' प्रणाली की मदद से सुलझाकर इसमें शामिल 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने कहा, ''पनवेल इलाके में 26 जनवरी को एक सफेद कार में सवार आरोपियों ने एक अन्य कार को रोका और उसमें सवार लोगों से कथित तौर पर 2.17 लाख रुपये का सामान लूटा और फरार हो गए। अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद पुलिस जांच दल ने नजदीक स्थित एक नाके पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालकर सफेद कार की पहचान की। इसके बाद 'फास्टैग' (इलेक्ट्रॉनिक टोल क्लेक्शन प्रणाली) से पुलिस ने कार और उसके मालिक की जानकारी हासिल की। उन्होंने बताया कि कार का पता लगाकर उसका पीछा किया गया। कार को खालापुर के पास एक नाके पर रोका गया, जिसके बाद वाहन के मालिक का पता लगाया गया और फिर लूटपाट में शामिल छह आरोपियों की तलाश शुरू की गई। आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान राजू पुकले (55), प्रमोद कोकरे (28), मयप्पा वलकुंडे (24), किरण सरगर (28), अशोक पाटिल (23) और संदीप कोकरे (23) के तौर पर हुई। अधिकारी ने बताया कि लूटा गया सामान अभी नहीं मिल पाया है।

नाबालिग लड़की के पेंटी और अंडरगार्मेंट उतरना बलात्कार के समान

-कलकत्ता हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

कोलकाता । किसी नाबालिग लड़की के पेंटी और अंडरगार्मेंट उतरना भी बलात्कार के समान माना जाएगा। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 16 साल पुराने मामले में फैसला सुनाया है। साथ ही आरोपी को 3000 रुपए जुर्माने का निर्देश दिया है। 7 मई साल 2007 में बालुरघाट जिला एवं सत्र न्यायालय के फैसले में रवि राय नाम के एक व्यक्ति को एक नाबालिग के खिलाफ यौन अपराध का दोषी पाया गया था। उसके खिलाफ आरोप है कि रवि ने नाबालिग लड़की को आइसक्रीम का लालच देकर घर के पास सूनसान जगह में ले गया। उसके कपड़े उतारकर दुष्कर्म की कोशिश की पर बच्ची की शोर से स्थानीय लोग आ गए और रवि को पकड़ लिया था। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी नाबालिग लड़की की पेंटी और अंडरगार्मेंट को जबरन उतरना दुष्कर्म के बराबर है, भले ही चिकित्सा शर्तो के अनुसार आरोपी या दोषी दुष्कर्म नहीं किया गया हो। नवंबर 2008 में निचली अदालत ने रवि को दोषी करार देकर साढ़े पांच साल कैद की सजा सुनाई। इसके साथ ही आरोपी उस पर 3,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। जेल से छूटने के बाद रवि ने जिला अदालत के आदेश को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती देकर दावा किया कि उसे झूठे मामले में फंसाया गया था। जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। उसने दावा किया कि उसका इरादा पीड़िता के प्रति पिता जैसा स्नेह प्रकट करना था। जस्टिस अनन्या ने हालांकि निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखा और कहा कि लड़की को आइसक्रीम खिलाने का इरादा गलत था। उन्होंने कहा दोषी ने सिर्फ अपनी यौन इच्छाओं को पूरा करने के लिए पीड़िता को आइसक्रीम खिलाने का लालच दिया था। जब पीड़िता बच्ची ने दोषी के कहे अनुसार अपने इनरवियर को खोलने से इनकार कर दिया, तब उसने जबरदस्ती इनरवियर उतार दिया। इस प्रयास को स्नेह की अभिव्यक्ति नहीं माना जा सकता। यह दुष्कर्म के प्रयास के बराबर है।

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और उत्तरी बर्फीली हवाओं के कारण मैदानी इलाकों में बढ़ेगी सर्दी

नई दिल्ली । भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अलर्ट जारी किया है कि मौसम बिगड़ने वाला है। आईएमडी ने उत्तर पश्चिम भारत में बारिश की संभावना जताई है। आईएमडी के अनुसार 8 फरवरी से 10 फरवरी के बीच पश्चिमी क्षेत्र में काफी व्यापक बारिश या बर्फबारी का अनुमान व्यक्त किया है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और उत्तरी बर्फीली हवाओं के कारण मैदानी इलाकों में सर्दी में बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग के अनुसार एक पश्चिमी ताजा विक्षोभ के कारण फिर पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 8 से 10 फरवरी को बर्फबारी देखने को मिलेगी। देश की राजधानी दिल्ली के मौसम की बात करें तो यहां 15 फरवरी तक सुहावना मौसम रहने का अनुमान है। दिल्ली में 8 फरवरी को न्यूनतम तापमान 9 डिग्री और अधिकतम तापमान 26 डिग्री रहने की उम्मीद है। हालांकि 8 फरवरी को लेकर दिल्ली में आईएमडी ने तेज हवाएं चलने की भी संभावनाएं जताई है। उत्तर प्रदेश में सर्दी का सितम अब कम होने लगा है। तापमान की बात करें तो यहां लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। हालांकि सुबह के समय कहीं-कहीं हल्का कोहरा जरूर देखने को मिला है। राजधानी लखनऊ की बात करें तो पहले ही हल्के कोहरे की संभावना जताई गई थी। आज यहां न्यूनतम तापमान 12 डिग्री और अधिकतम तापमान 28 डिग्री रहने की उम्मीद है। इधर दक्षिण राज्यों में भी बारिश का दौर जारी है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में अगले दो दिनों में बारिश देखने को मिल सकती है। स्काईमेट के मुताबिक दक्षिण तमिलनाडु, दक्षिण केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और असम के पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। अरुणाचल प्रदेश की पहाड़ियों में कुछ जगह पर हल्की बारिश और हिमपात की संभावना है। इसके साथ ही बिहार और पश्चिमी बंगाल के कुछ हिस्सों में कोहरा छाए रहने की संभावना है।

मैं पिछड़ा हूं इसकारण मेरे खिलाफ एफआईआर, साधु-संतों पर कोई एक्शन नहीं लिया यूपी सरकार ने : मौर्य

लखनऊ । यूपी में पिछले कई दिनों से हिन्दू धर्म के धार्मिक ग्रंथ रामचरितमानस को लेकर विवाद ने तूल पकड़ा हुआ है। रामचरितमानस पर विवादित बयान देकर सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य संतों, कई नेताओं और हिन्दू संगठनों के निशाने पर हैं। विवादों के बाद भी सपा नेता मौर्य अपने बयान पर अडिग हैं। इस बीच सपा नेता मौर्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उन साधु संतों के विरुद्ध एफआइआर दर्ज कराने की चुनौती दी है, जिन्होंने उनकी जीभ, नाक, सर और गला काटने के लिए ईनाम की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि सीएम योगी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के खिलाफ रासुका लगाना और मुकदमा दर्ज कराना चाहिए। सपा नेता प्रसाद ने कहा कि मैंने सिर्फ रामचरिमानस की कुछ पंक्तियों पर आपत्ति जताकर उन्हें हटाने की मांग की थी। मैंने यह बात सांविधानिक दायरे में रह कर की थी। मेरे खिलाफ एफआईआर इसकारण दर्ज हुई क्योंकि मैं पिछड़ा हूं, जबकि मेरे अंग काटने की सुपारी देने वाले साधु संतों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

भारत को जल्द मिलेगी एस-400 मिसाइल प्रणाली की तीसरी खेप : डेनिस अलीपोव

नई दिल्ली । रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा कि रूस जल्द ही भारत को सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 मिसाइल प्रणाली की तीसरी खेप की आपूर्ति करेगा। अलीपोव ने कहा आपूर्ति निकट भविष्य में पूरी की जाएगी। दोनों पक्ष सौदे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसे कोई नहीं रोक सकता। रूसी राजदूत भारत-रूस संबंधों पर आयोजित एक सम्मेलन में मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति पर किए गए सवाल का जवाब में यह बात कही। रूस ने मिसाइल प्रणाली की पहली दो खेप की आपूर्ति कर दी है। यह पूछने पर कि क्या वह यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष खत्म होने में भारत की कोई भूमिका देखते हैं, इस पर अलीपोव ने कहा कि मॉस्को इसे कूटनीतिक तरीके से खत्म करने के लिए किसी भी गंभीर वार्ता के लिए तैयार है। उन्होंने कहा जैसा कि हमारे विदेश मंत्री कहते हैं कि हम किसी भी गंभीर वार्ता के लिए तैयार हैं, चाहे कोई भी उसकी पेशकश करे। अभी ऐसा कुछ नहीं है। अगर भारत इसमें अधिक सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है, तो हम निश्चित तौर पर बहुत ध्यान से उसकी बात को सुनेंगे और हम सभी प्रस्तावों पर बहुत गंभीरता से विचार करेंगे। भारत इस बेहद ही जटिल संघर्ष में शामिल होना चाहता है या नहीं, मुझे नहीं लगता कि यह मुझसे पूछा जाना चाहिए। रूसी राजदूत ने भारत के साथ उनके देश के रक्षा संबंधों को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा भारत में टी-90 टैंक, एसयू-30एमकेआई, एके-203 असॉल्ट राइफल और बहुत सारे हथियार तथा उपकरणों का लाइसेंसी उत्पादन 'मेक इन इंडिया' तथा आत्मनिर्भर भारत' पहलों के पूरी तरह अनुरूप है। राजदूत ने कहा सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस पर विशिष्ट संयुक्त उद्यम आदर्श है।

सिर्फ तृणमूल कांग्रेस ही 'डबल इंजन' सरकार को सत्ता से बाहर कर सकती है: ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी एकमात्र दल है जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन' की सरकार को सत्ता से बाहर कर सकती है और देश के लोगों को भाजपा का विकल्प मुहैया करा सकती है। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा के शासन में त्रिपुरा में लोकतंत्र को पीछे धकेल दिया गया, क्योंकि दलों को राजनीतिक बैठकें आयोजित करने की अनुमति नहीं है और पत्रकारों ने समाचार एकत्र करने का अधिकार खो दिया।÷

उन्होंने कहा, ÷ दो साल पहले हमारी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया, उनके वाहनों में तोड़फोड़ की गई। उनमें से कुछ को अवैध रूप से सलाखों के पीछे डाल दिया गया। राज्य में लोकतंत्र की हालत खराब है और हमारे नेताओं और सदस्यों को गलत कार्यों का विरोध करने के लिए यातना दी गईं।÷ भाजपा का साफ तौर पर संदर्भ देते हुए बनर्जी ने कहा कि जो दल लोगों को 100 दिन के काम की गारंटी नहीं दे सकता है, उसे वोट मांगने का कोई हक नहीं है।

उन्होंने कहा, ÷ टीएमसी एकमात्र पार्टी है जो देश से डबल इंजन सरकार को (सत्ता से) बाहर कर सकती है और लोगों को विकल्प दे सकती है।÷ टीएमसी प्रमुख ने यह भी कहा कि त्रिपुरा के लोग आगामी चुनाव में माकपा-कांग्रेस के गठबंधन को खारिज कर देंगे जैसे लोगों ने बंगाल में किया था। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर उनका दल सत्ता में आता है तो विकास की वही योजनाएं त्रिपुरा में भी शुरू की जाएंगी जो फिलहाल बंगाल में उपलब्ध हैं जिनमेंलक्ष्मी भंडार और कन्याश्री जैसी योजनाएं शामिल हैं।

राजौरी की पहाड़ियों पर छिपे हैं आतंकी, जानकारी देने वालों को पुलिस देगी 10 लाख इनाम

राजौरी । ढांगरी गांव में एक जनवरी को हुए आतंकी हमले की जांच के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम मिलकर अभियान चला रही है। आतंकियों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस एक नया ऐलान किया है। पुलिस ने कहा कि ढांगरी गांव में हुए हमले में शामिल आतंकवादी राजौरी जिले के ऊपरी इलाकों में छिपे हुए हैं, इनके बारे में सूचना देने वालों को इनाम मिलेगा। बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ढांगरी गांव में हुए हमले में शामिल आतंकियों की सूचना देने वालों को 10 लाख रुपए के इनाम का ऐलान किया है। इसके साथ ही मंगलवार की रात जारी एडवाइजरी में पुलिस ने आतंकियों को किसी भी तरह से मदद करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। ढांगरी गांव में 1 जनवरी को आतंकियों ने आम नागरिकों को निशाना बनाया था। इन आतंकियों को पकड़ने के लिए लगातार पुलिस कार्रवाई कर रही है। अब पुलिस ने बताया कि ये आतंकी उसी इलाके में ही छुपे हैं। पुलिस ने कहा ढांगरी गांव में हमले की साजिश रचने वाले आतंकवादी अभी भी राजौरी की पहाड़ियों में छिपे हुए हैं। वे फिर से एक आतंकी घटना को अंजाम दे सकते हैं। पुलिस ने ये भी कहा कि कुछ स्थानीय लोग ही हैं जो इन आतंकियों की मदद कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कुछ लोग हैं जो पुलिस और सुरक्षाबलों की गतिविधियों के बारे में आतंकियों को जानकारी दे रहे हैं। इसके अलावा इन आतंकवादियों के आने-जाने और खाने-पीने से लेकर सभी चीजों में इनकी मदद कर रहे हैं।

पूरा गांधी परिवार भ्रष्टाचार में डूबा हुआ, खुद जमानत पर बाहर : प्रसाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के लोकसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संसद में आरोप लगाया कि पूरा गांधी परिवार भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है और खुद जमानत पर बाहर होने के बावजूद केंद्र की मोदी सरकार पर निराधार आरोप लगा रहा है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान भाजपा सांसद प्रसाद ने राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अडानी समूह का कथित रूप से पक्ष लेने के आरोप का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधी की टिप्पणी झूठी और शर्मनाक थी। प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी सदन को गुमराह कर रहे। दरअसल राहुल गांधी ने अडानी एंटरप्राइजेज पर अमेरिका की रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने दावा किया था कि 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के तुरंत बाद गौतम अडानी की किस्मत चमक गई। प्रसाद ने कहा, जो लोग जमानत पर बाहर हैं और वर्तमान में मुकदमे का सामना कर रहे हैं (नेशनल हेराल्ड मामले में) निराधार आरोप लगा रहे हैं। राहुल गांधी इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं कि लोगों ने नरेंद्र मोदी को दो बार प्रधानमंत्री चुना और वह 2024 में फिर से आएंगे।

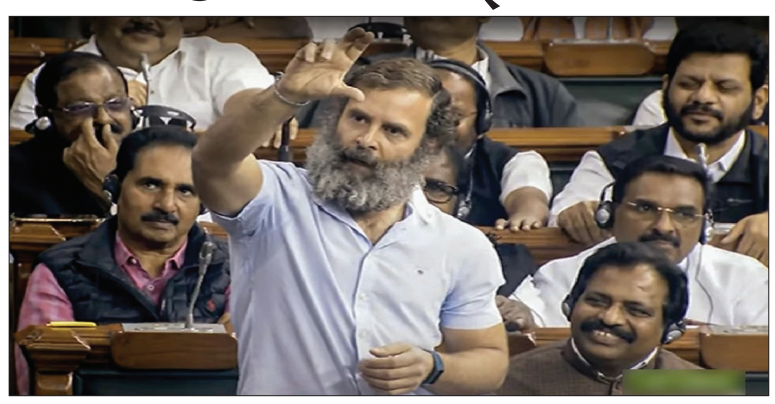

राहुल गांधी ने सदन को किया गुमराह, पीएम मोदी पर भी लगाए गंभीर आरोप, अब अवमानना के तहत कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आठ फरवरी को संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा करेंगे। इस दौरान ही संभावना है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में दें। इस मामले पर अब झारखंड के गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से खास मांग की है।

सांसद निशिकांत दुबे ने ओम बिरला से मांग की है कि राहुल गांधी के खिलाफ सदन की अवमानना किए जाने के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। इस मांग को लेकर निशिकांत दुबे ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र भी लिखा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ रूल 223 के तहत कार्यवाही शुरू होनी चाहिए।

सांसद निशिकांत दुबे ने लिखा कि राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कई आरोप लगाए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ राहुल गांधी ने जो आरोप लगाए हैं उनसे संबंधित प्रमाण सदन में नहीं रखे। ऐसे में इन बेबुनियाद आरोपों को लगाने पर कार्रवाई होनी चाहिए।

राहुल गांधी ने लगाए थे ये आरोप

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अडाणी समूह से जुड़े मामले का हवाला देते हुए मंगलवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि 2014 में केंद्र की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी के आने बाद ऐसा 'असली जादू' हुआ कि आठ वर्षों के भीतर उद्योगपति गौतम अडाणी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए यह दावा भी किया कि मौजूदा सरकार के दौरान नियम बदलकर हवाई अड्डों के ठेके अडाणी समूह को दिए गए। राहुल गांधी ने सवाल किया, ''अडाणी जी ने पिछले 20 साल में भाजपा को कितना पैसा दिया? चुनावी बॉन्ड में कितना पैसा दिया?'' सदन में राहुल गांधी के वक्तव्य के दौरान केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस नेता को लोकसभा में 'तथ्यहीन आरोप' नहीं लगाने चाहिए। राहुल गांधी ने दावा किया कि 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद जो अडाणी अमीरों की सूची में 609वें नंबर पर थे, वह आठ वर्षों में वह दूसरे स्थान पर आ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि नियम बदलकर अडाणी को छह हवाई अड्डे दिए गए। उन्होंने दावा किया कि जांच एजेंसी का दुरुपयोग करके मुंबई हवाई अड्डा अडाणी के हाथों में दे दिया गया। इस पर हस्तक्षेप करते हुए रीजीजू ने कहा, ''बिना तथ्य के आरोप लगाने का कोई मतलब नहीं है। अगर आरोप लगा रहे हैं तो दस्तावेज रखना पड़ेगा।''

कई सालों से आपस में लड़ाने का काम कर रहे हैं भागवत : राकेश टिकैत

-भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत जमकर सियासी निशाने साधे

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन का अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है। बीते मंगलवार को धरने में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत आए और उन्होंने जमकर सियासी निशाने साधे। वहीं इस दौरान उन्होंने मोहन भागवत के बयान पर भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। राकेश टिकैत ने कहा कि देश की जनता अभी समझ रही है, लेकिन यह तो पिछले कई सालों से यही काम कर रहे हैं। ये कई सालों से आपस में लड़ाने का काम कर रहे हैं। टिकैत ने कहा मोहन भागवत की बात पूरा देश सुनता है लेकिन अब वो ही अपने बयान को लेकर विवादों में हैं। उन्होंने कहा कि जिस देश का राजा ऐसा हो, जो देश में दंगा कराना चाहता हो जाति और धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाना चाहता हो तो उस देश का क्या होगा।

राकेश टिकैत ने कहा कि ये चाह रहे हैं कि देश की जनता आपस में लड़े। देश में दंगे हों।। नागपुर से लेकर दिल्ली तक ये एक ही गैंग हैं इनका। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी द्वारा सीएम योगी को लेकर दिए गए बयान पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि 2023 में ये एक दूसरे में धार्मिक झगड़े कराएंगे। इसलिए 2023 में बच के रहना। वहीं इस दौरान भाजपा पर हमलावर होते हुए टिकैत ने कहा कि ये कई सालों से आपस में लड़ाने का काम कर रहे हैं। यह चाह रहे हैं कि देश की जनता आपस में लड़े। पहले उन्होंने कहा कि 15 लाख रुपए देंगे। मगर ये 5 किलो गेहूं पर ले आए। फिर ये गेहूं भी कभी 3 महीने देंगे तो कभी 6 महीनें देंगे। अब जनता 15 लाख भूल गई। भारतीय किसान यूनियन के अनिश्चितकालीन धरने को रालोद विधायकों ने समर्थन दिया। हजारों समर्थकों के साथ जीआईसी मैदान पहुंचे रालोद विधायकों ने कहा कि किसान के अधिकारों की लड़ाई में वह भारतीय किसान यूनियन के साथ हैं। मंगलवार को रालोद कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में गन्ना मूल्य घोषित करने, बकाया भुगतान और आवारा पशुओं से निजात की मांग को लेकर धरना दिया था।

शिवसेना नेता दानवे ने आदित्य ठाकरे की सुरक्षा में 'चूक' को गंभीरता से लेने के लिए डीजीपी को लिख पत्र

औरंगाबाद (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता अंबादास दानवे ने औरंगाबाद जिले में पार्टी विधायक आदित्य ठाकरे की एक जनसभा के दौरान सुरक्षा में ''चूक'' को गंभीरता से लेने के लिए महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा है। ठाकरे मंगलवार शाम महलगांव इलाके में एक जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। महाराष्ट्र विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष दानवे ने दावा किया कि जनसभा की ओर तथा विधायक की कार पर पत्थर फेंके गए। दानवे ने दावा किया कि यह '' हिंदू और दलित समुदायों के बीच झगड़ा भड़काने का प्रयास'' था और ठाकरे के कार्यक्रम को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं करने के लिए पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की

मांग की।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कलवानिया ने मौके पर पथराव की बात से इनकार करते हुए कहा कि वहां दो गुटों में केवल नारेबाजी हुई। जनसभा के बाद दानवे ने महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक रजनीश सेठ को एक पत्र लिखा जिसमें घटना का उल्लेख किया गया और दावा किया कि सुरक्षा में ''अक्षम्य लापरवाही'' हुई। दानवे ने इस लापरवाही को गंभीरता से लिए जाने की मांग की है।

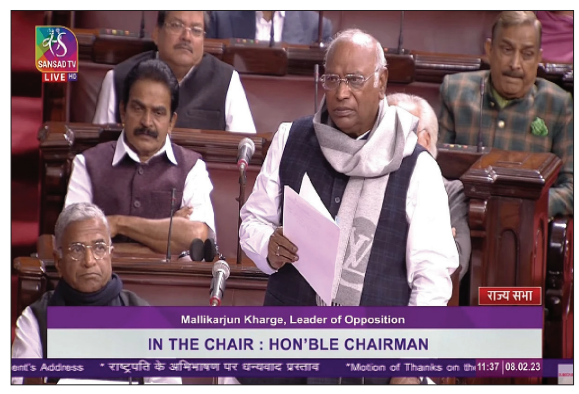

खरगे ने राज्यसभा में उठाया अनुसूचित जाति के लोगों का मुद्दा, कहा- नफरत छोड़ो और भारत जोड़ो

जम्मू (एजेंसी)। संसद का बजट सत्र शुरू से ही मुख्य रूप से अडानी-हिंडनबर्ग विवाद की वजह से हंगामेदार रहा है। आज लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देंगे। उनका संबोधन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा राष्ट्रपति मुर्मू के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने के एक दिन बाद आएगा। राहुल ने चर्चा के दौरान अडानी के उत्थान के लिए केंद्र पर सवाल उठाया था। इसके बाद महुआ मोइत्रा ने कहा कि एक प्रसिद्ध व्यक्ति जिसका नाम %ए% से शुरू होता है और %आई% के साथ समाप्त होता है, जिसमें क्रोनी कैपिटलिज्म की बू आती है, उसने सभी को ठगा है। विपक्ष अडानी समूह पर हिंडनबर्ग फर्म द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की मांग कर रहा है।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कई सासंद-मंत्री सिर्फ हिंदू मुस्लिम करते हैं, क्या बात करने के लिए कोई और मुद्दा नहीं है। दूसरी तरफ कोई अनुसूचित जाति के लोग मंदिर जाते हैं तो उन्हें मारते हैं, उनकी सुनवाई नहीं होती है। अनुसूचित जाति को तो हम हिंदू समझते हैं ना तब उन्हें मंदिर जाने से क्यों रोकते हैं अगर समझते हैं तो उन्हें बराबरी का स्थान क्यों नहीं देते।कई मंत्री दिखावे के लिए उनके घर जाकर खाना खाते हैं और तस्वीर खींचवा कर बताते हैं कि हमने उनके घर खाना खाया।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद मल्लिकार्जुन खरगे ने दलितों को मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कुछ सांसद सिर्फ धर्म की बात करते हैं। धर्म-जाति के नाम पर नफरत की बात करना ठीक नहीं है। दलितों का सियासी इस्तेमाल करना ठीक नहीं है। अनुसूचित जाति को तो हम हिंदू समझते हैं ना तब उन्हें मंदिर जाने से क्यों रोकते हैं अगर समझते हैं तो उन्हें बराबरी का स्थान क्यों नहीं देते। कई मंत्री दिखावे के लिए उनके घर जाकर खाना खाते हैं और तस्वीर खींचवा कर बताते हैं कि हमने उनके घर खाना खाया है।

पाकिस्तान और विपक्ष के मुंह पर जोरदार तमाचा है ये रिपोर्ट!

अल्पसंख्यकों के रहने के लिए सबसे मुफीद जगह है भारत, 110 देशों में टॉप पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। पाकिस्तान भले ही मुसलमानों को लेकर भारत को घेरने की लाख कोशिशें करता हो। लेकिन भारत में अल्पसंख्यक जितने मजे में रह रहे हैं, उतनी अच्छी हालत में दुनिया के कई देशों में भी नहीं मिलेंगे। ओवैसी जैसे नेता भले ही ये आरोप लगाते हों कि भाजपा सरकार नहीं चाहती कि इस देश में मुसलमान पढ़ें। कांग्रेस की तरफ से देश में धार्मिक और जातिय भेदभाव बढ़ने की बात की जाती हो। लेकिन सच तो ये है कि भारत का संविधान अल्पसंख्यकों को अपने अधिकारों के संरक्षण का अधिकार देता है। भारत का संविधान अल्पसंख्यकों को अधिकार देता है कि वो अपनी धर्म और संस्कृति पर आस्था रखें। साथ ही उसके मुताबिक आचरण करें।

द ऑस्ट्रेलिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अल्पसंख्यकों पर सेंटर फॉर पॉलिसी एनालिसिस (सीपीए) के मूल्यांकन के अनुसार, धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति समावेशी उपायों के लिए भारत को 110 देशों में नंबर एक के रूप में स्थान दिया गया है। सेंटर फॉर पॉलिसी एनालिसिस (सीपीए) एक शोध संस्थान है, जिसका मुख्यालय भारत के पटना में है। 110 देशों में भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्वीकृति का उच्चतम स्तर है, इसके बाद दक्षिण कोरिया, जापान, पनामा और अमेरिका का स्थान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मालदीव, अफगानिस्तान और सोमालिया सूची में सबसे नीचे हैं, यूके और यूएई क्रमशः 54वें और 61वें स्थान पर हैं।

सीपीए रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अल्पसंख्यक नीति एक दृष्टिकोण पर आधारित है जो विविधता बढ़ाने पर जोर देती है। भारत के संविधान में संस्कृति और शिक्षा में धार्मिक अल्पसंख्यकों की उन्नति के लिए विशिष्ट और विशिष्ट प्रावधान हैं। रिपोर्ट के अनुसार, किसी अन्य संविधान में भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों को बढ़ावा देने के लिए कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे, कई अन्य देशों के विपरीत, भारत में किसी भी धार्मिक संप्रदाय पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पति के सही इलाज न होने की शिकायत

शिकायत करने सूरत गई महिला को डॉक्टर ने धक्का देकर अस्पताल से बाहर निकाल दिया

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के उन इलाके में अस्पताल के एक डॉक्टर और उनके भतीजे के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया है. इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर अस्पताल के डॉक्टर व उसके भतीजे को गिरफ्तार कर लिया है. सीसीटीवी कैमरे में भी साफ दिख रहा है कि डॉक्टर पत्नी को धक्का देकर अस्पताल से बाहर कर रहा है. सचिन जीआईडीसी क्षेत्र में रहने वाली 26 वर्षीय महिला के पति दो माह से कमर दर्द से परेशान चल रहे थे , उनका आरोप है कि चिकित्सक ने उचित इलाज नहीं किया . इसलिए पत्नी 30 जनवरी को पति को इलाज के लिए अर्श अस्पताल लेकर आई। जहां उसके पति को भर्ती कराया गया। 4 तारीख को महिला के पति को छुट्टी दे दी गई। 5 तारीख को महिला फिर से दर्द होने पर अपने पति को 6 तारीख को अर्श अस्पताल लेकर आई।

डॉ. ने महिला को धक्का देकर सोफे पर बिठा दिया । इकबाल ने शिकायत की कि पांच दिन के इलाज के बावजूद पति अभी भी दर्द में है। इसी बात को लेकर डॉक्टर और पत्नी के बीच झगड़ा हो गया और डॉ. इकबाल ने महिला को धक्का देकर सोफे पर बिठाया और गालियां दीं। हालांकि, तब डॉ. एक डॉक्टर ने इकबाल का इलाज किया और फिर भी कोई दिक्कत होने पर उधना के विहान अस्पताल ले जाने को कहा।

इससे पहले अस्पताल के कंपाउंडर से मारपीट की घटना सामने आई थी कुछ दिन पहले इसी अस्पताल के अंदर मारपीट की घटना भी सामने आई थी. अस्पताल में कार्यरत एक कंपाउंडर की किसी बात को लेकर मरीज के परिजनों ने पिटाई कर दी. अस्पताल में मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ डॉक्टर द्वारा मामला दर्ज कराया गया था और उसके बाद खुद डॉक्टर के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई गई है.

डॉक्टर इकबाल के गुस्से और पति का इलाज ठीक से नहीं करने पर महिला डॉक्टर से भिड़ गई। तो डॉक्टर ने कहा कि आपके पति का इलाज किसी अच्छे आर्थोपेडिक ने किया है। इसलिए महिला ने कहा कि अच्छे डॉक्टर से इलाज कराने के बावजूद उसके दर्द से आराम क्यों नहीं मिल रहा है? तुम अभी हड्डी रोग विशेषज्ञ को बुलाओ और मेरे पति का इलाज कराओ। महिला जब अस्पताल से निकलने वाली थी तो उसे सोफे पर बैठने को मजबूर किया गया, डॉक्टर इकबाल ने महिला का हाथ पकड़कर उसे सोफे पर बैठने के लिए मजबूर किया. फिर एक आदमी को बुलाया गया और महिला और उसके पति को इलाज के लिए उधना ले जाया गया. अस्पताल में उधना के इलाज के बाद विवाहिता अर्श को अस्पताल ले जाया गया।

परिणीता ने डॉक्टर के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई है इकबाल तुमने मेरे पति के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया। हमसे गलत पैसा लिया गया है। आक्रोशित डॉ. कह रहे हैं कि तुम कभी खुश नहीं रहोगे। आरोप है कि इकबाल और उसके भतीजे मोसिन ने पत्नी का हाथ पकड़कर उसकी पीठ पर हाथ रखा और अभद्र व्यवहार किया। इस मामले में पत्नी ने तहरीर दी और पुलिस ने जुर्म दर्ज कर लिया. इकबाल और उसके भतीजे मोसिन को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

अनुपयुक्त जगह पर हाथ रखकर सोफे पर बैठने को किया मजबूर पीड़िता ने बताया कि अस्पताल के अंदर उसने जबरन मेरे कंधे और हाथ पकड़कर अवांछित जगहों पर हाथ रखकर मुझे सोफे पर बैठने के लिए मजबूर किया. ऐसा लगता है कि हमसे पैसे लिए गए हैं। अस्पताल के डॉक्टर ही नहीं बल्कि उनके रिश्तेदार ने भी हमारे साथ अभद्र व्यवहार किया और गाली-गलौज की। चिकित्सक भाषा का प्रयोग किया गया।

सूरत शहर में आवारा कुत्तों का आतंक, चार बच्चों सहित 7 लोगों को घायल किया

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, सूरत शहर में वेड रोड में एक कुत्ते ने 24 घंटे में चार बच्चों सहित 7 लोगों को घायल कर दिया। इस कुत्ते ने कई दिनों से आतंक मचा कर रखा है। उसने 24 घंटे में घूम-घूम कर 7 लोगों को काट लिया है। शनिवार को कुत्ते ने 5 साल की बच्ची का हाथ काट लिया था। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि बच्ची एक गली से दौड़ते हुए आ रही थी कि तभी कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। कुछ लोग आ गए और बच्ची की जान बचा ली। बच्ची के हाथ में 3 से 4 गहरे जख्म हो गए। एक घाव तो 1 सेमी गहरा, 2.5 सेमी चौड़ा और 7 से 8 सेमी लंबा है। बच्ची का इलाज निजी अस्पताल में कराया गया।

एयर इंडिया की सूरत-दिल्ली इवनिंग फ्लाइट 8 मार्च से बंद होगी

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के लोगों और बड़े हीरा कारोबारियों के लिए उपयोगी एयर इंडिया की सूरत-दिल्ली इवनिंग फ्लाइट 8 मार्च से बंद हो जाएगी। इस फ्लाइट से सूरत से सिंगल पीएनआर पर विदेश जाने जाने की सुविधा मिल रही थी। फ्लाइट के बंद होने से सूरत से सिंगल पीएनआर पर सीधे विदेश जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। एयर इंडिया की यह इवनिंग दिल्ली फ्लाइट स्टार अलायंस ग्रुप में शामिल है।

इस ग्रुप में विश्व की 26 बड़ी विमानन कंपनियां सदस्य हैं। इन कंपनियों का एक-दूसरे से टाइअप होता है। इससे सिंगल पीएनआर पर विदेश जाने की सहूलियत मिल जाती है। सूरत से हर शाम दिल्ली जाने वाली फ्लाइट की 8 मार्च के बाद की बुकिंग नहीं की जा रही है। पहले यह फ्लाइट 82 सीटर थी, लेकिन अच्छा रिस्पॉन्स मिलने से इसे 170 सीटर कर दिया गया था। पहले यह फ्लाइट 82 सीटर थी, लेकिन अच्छा रिस्पॉन्स मिलने से इसे 170 सीटर कर दिया गया था। पहले यह फ्लाइट 82 सीटर थी, लेकिन अच्छा रिस्पॉन्स मिलने से इसे 170 सीटर कर दिया गया था। एयर इंडिया की इवनिंग दिल्ली फ्लाइट से दिल्ली जाकर वहां से सिंगल पीएनआर पर अमेरिका, बैंकॉक, थाईलैंड, ब्रुसेल्स व अन्य देशों में जा सकते हैं। यह सुविधा स्टार एलायंस के तहत मिलती है। यह एक समूह है, जो सिंगल हवाई टिकट के पीएनआर (पैसेंजर नेम, रिकॉर्ड) डेटा को बनाए रखता है। इस समूह में एयर इंडिया, एयर कनाडा, एयर न्यूजीलैंड, लुफ्तहांसा, एयर स्विस, टर्किश एयरलाइन, थाई एयर, एयर चीन सहित विश्वभर की कुल २६ कंपनियां शामिल हैं।

एयर इंडिया की दिल्ली फ्लाइट के बंद हो जाने से यात्रियों को सूरत से दिल्ली जाना पड़ेगा। वहां से अलग टिकट पर विदेश की फ्लाइट पकड़नी पड़ेगी। इसमें समय के साथ पैसे की भी बर्बादी होगी। लगेज के लिए अतिरिक्त चार्ज भी देना पड़ेगा। दो महीने पहले भी दिल्ली की फ्लाइट बंद कर दी गई तो सूरत से दिल्ली और वहां से विदेश जाने वाले कई व्यापारी कम हो गए थे।